महाकुंभ विशेषांक (प्रथम)
www.railsamacharbureauald.com
सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

वर्ष-35 अंक-01-02 समाचार ब्यूरो प्रयागराज रेल 01-31 जनवरी 2025 (सयुक्तांक) पृष्ठ 12 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

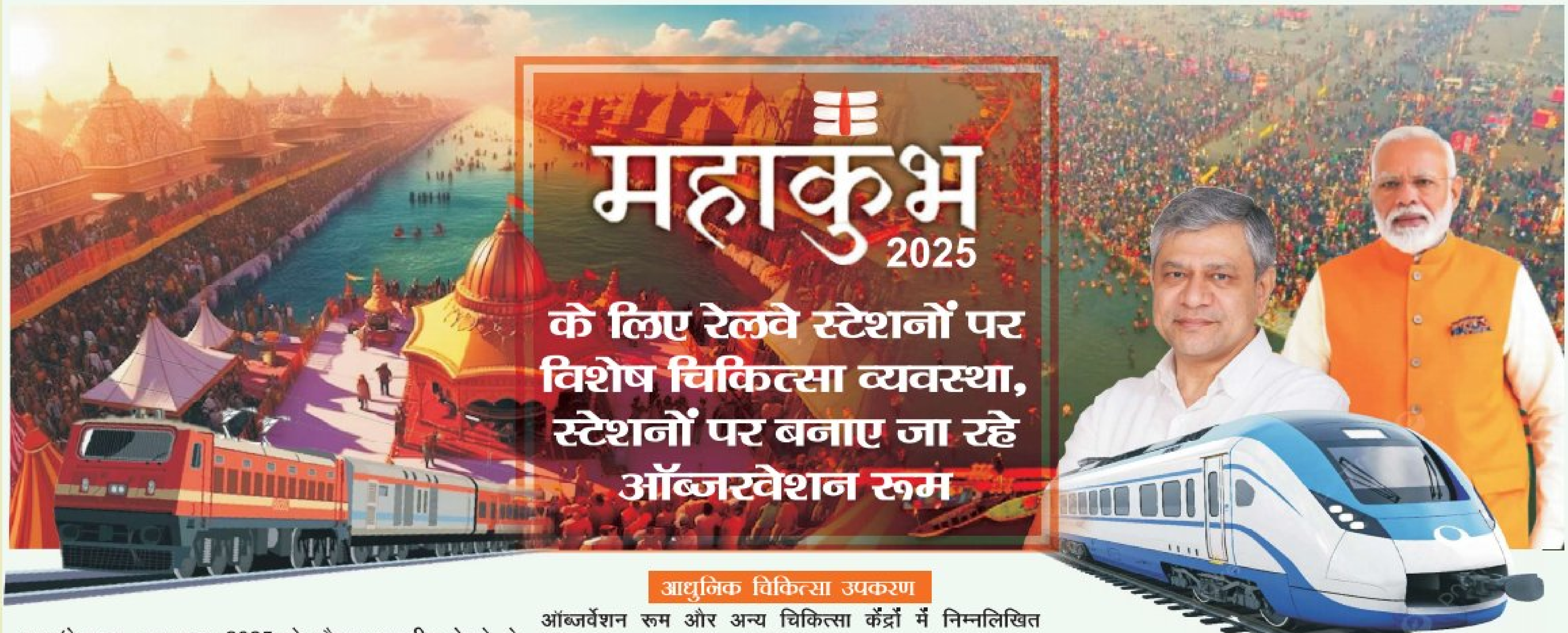

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुम्भ 2025 के दौरान भारतीय रेलवे ने प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों पर तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की हैं। इन सुविधाओं में 24x7 ऑब्जर्वेशन रूमों की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सेवा प्रदान की जा सके। पिछले महाकुम्भ के दौरान 1 लाख श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा सहायता दी गई थी, और इस बार रेलवे एक बड़ी संख्या में यात्रियों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवा देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

विशेष चिकित्सा सेवाएं

महाकुम्भ के दौरान यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन, सुबेदारगंज, नैनी जंक्शन एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ऑब्जर्वेशन रूम स्थापित किए हैं। इन रूम्स में हमेशा डॉक्टर और अन्य मेडिकल स्टाफ मौजूद रहेंगे। यहां सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरण मौजूद होंगे, जिससे यात्रियों को त्वरित उपचार प्रदान किया जा सके।

आधुनिक चिकित्सा उपकरण

ऑब्जर्वेशन रूम और अन्य चिकित्सा केंद्रों में निम्नलिखित चिकित्सा उपकरण उपलब्ध होंगे:

- ECG मशीनः हृदय संबंधित समस्याओं की त्वरित पहचान के लिए।
- डिफिब्रिलेटरः दिल के रुकने पर उसे सामान्य करने के लिए।
- ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रेटरः ऑक्सीजन की कमी से निपटने के लिए।
- ग्लूकोमीटरः रक्त शर्करा की माप करने के लिए, जो मधुमेह से प्रभावित लोगों के लिए जरूरी है।

स्टेशन पर चिकित्सा स्टाफ की तैनाती

प्रयागराज जंक्शन, सुबेदारगंज, नैनी सहित प्रमुख स्टेशनों पर ऑब्जर्वेशन रूम्स स्थापित किए गए हैं, जहां निम्नलिखित स्टाफ तैनात रहेगाः

- स्टाफ नर्स 15 ● फार्मासिस्टः 12
- हॉस्पिटल अटेंडेंट (एचए): 12
- हाउस कीपिंग असिस्टेंट (एचकेए): 15

इन कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने के लिए की गई है कि सभी शिफ्ट्स में चिकित्सा सेवाएं सुचारु रूप से चलती रहें। प्रत्येक शिफ्ट का समय 8 घंटे होगा। महाकुम्भ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर 24x7 चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। जब भी किसी यात्री को चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होगी, तुरंत उन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही, रेलवे अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों से समन्वय बनाए रखेगा ताकि जरूरत पड़ने पर किसी भी मरीज को तुरंत रेफर किया जा सके। भारतीय रेलवे का उद्देश्य महाकुम्भ 2025 के आयोजन को सुरक्षित, स्वस्थ और यादगार बनाना है। रेलवे द्वारा की गई स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं से श्रद्धालुओं को उच्चतम स्तर की चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी, जिससे उनकी यात्रा सुरक्षित और आरामदायक रहेगी। रेलवे प्रशासन ने सभी पहलुओं पर ध्यान दिया है और यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्था की है।

महाकुंभ-2025 के लिए अद्भुत कलाकृतियों से सजे प्रयागराज के रेलवे स्टेशन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ 2025 की भव्य तैयारियों के अंतर्गत भारतीय रेलवे ने प्रयागराज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक छवि को निखारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ''पेंट माय सिटी'' अभियान के तहत प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों, जैसे प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन, फाफामऊ, प्रयाग जंक्शन, झूंसी रेलवे स्टेशन, रामबाग रेलवे स्टेशन, छिवकी रेलवे स्टेशन, प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन, को कला और संस्कृति के अद्भुत केंद्रों में परिवर्तित कर दिया गया है। इन स्टेशनों की दीवारों पर हिंदू पौराणिक कथाओं और भारतीय परंपराओं को चित्रित करने वाले भव्य और आकर्षक कलाकृतियां बनाई गई हैं। रामायण, कृष्ण लीला, भगवान बुद्ध, शिव भक्ति, गंगा आरती और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आधारित ये कलाकृतियां श्रद्धालुओं और पर्यटकों को प्रयागराज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर से परिचित कराती हैं। रेलवे की यह पहल केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रयागराज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भी दर्शाती है। इन कलाकृतियों में ऋषि परंपरा, गुरु-शिष्य परंपरा, ज्ञान और त्याग के महत्व को दिखाया गया है, जो प्रयागराज के आध्यात्मिक स्वरूप को और भी उजागर करते हैं। ये कलाकृतियाँ महाकुंभ 2025 के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। भारतीय रेलवे का यह प्रयास कला और विकास का संगम प्रस्तुत करता है। यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि महाकुंभ 2025 में प्रयागराज आने वाले हर व्यक्ति को न केवल भव्य आयोजन का हिस्सा बनने का अवसर मिले, बल्कि वे इस शहर की गहराई और इसकी सांस्कृतिक जीवंतता को भी महसूस कर सकें।

भंडारे के आयोजन के पूर्व अनुमति प्राप्त करना अपरिहार्य।

सूत्र/रे.स.ब्यू- जनपद प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ-2025 में संचालित किए जाने वाले भंडारों की अनुमति कलेक्ट्रेट प्रयागराज स्थित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय से निर्गत की जायेगी। भंडारों के आयोजन किए जाने हेतु यात्रियों के ठहराव स्थल (होल्डिंग एरिया) का चिन्हांकन किया गया है। भंडारों के आयोजन हेतु आवेदन पत्र नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज के कार्यालय में प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त की जा सकती है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज के कार्यालय अथवा श्री संजय कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोबाइल संख्या- 8840587851 और श्री अरविंद कुमार तिवारी, कार्यालय सहायक मो. सं. 7007246156 पर भी प्राप्त की जा सकती है। ज्ञातव्य हो कि भंडारे के आयोजन के पूर्व अनुमति प्राप्त करना अपरिहार्य है। बिना अनुमति के भंडारे का आयोजन नहीं किया जायेगा।

> “महाकुम्भ 2025 में रेलवे पैसेंजर्स सेफ्टी एंड अमेनिटीज एसोसिएशन आप सभी यात्रियों का हार्दिक स्वागत करता है।”

महाकुंभ-2025 के मद्देनज़र महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा नैनी और प्रयागराज छिवकी स्टेशनों का सुरक्षा व्यवस्था जांचने हेतु निरीक्षण किया गया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री अमिय नन्दन सिन्हा, महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा दिनांक 02.01.2025 को आगामी महाकुंभ-2025 की सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को जांचने के लिए प्रयागराज क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महत्वपूर्ण स्टेशन नैनी और प्रयागराज छिवकी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल, प्रयागराज को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे द्वारा आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ रेलवे स्टेशनों और रेलवे ट्रैक की सुरक्षा हेतु आरपीएफ/उत्तर मध्य रेलवे द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। निरीक्षण के दौरान नैनी और प्रयागराज छिवकी पर बाहर से आए 565 बल सदस्यों को महाकुंभ-2025 में सतर्कता और पूर्ण मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ-साथ मेले में आए सभी श्रद्धालुओं के साथ मधुर व्यवहार और अपनत्व का भाव रखते हुए सेवा के उद्देश्य से उनकी सहायता करने हेतु दिशा-निर्देशित किया गया, साथ ही स्टाफ के रहने और बुनियादी सुविधाओं का भी जायजा लिया गया। सभी जवानों से उनके रहने और खाने की उचित व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि रेल से यात्रा करने वाले सभी श्रद्धालु रेलवे द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें ताकि किसी भी श्रद्धालु को रेल यात्रा के दौरान और स्टेशनों पर किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। रेल सुरक्षा बल आपकी सेवा और सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखी।

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 06 जनवरी, 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखी। इनमें प्रमुख परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:

नया जम्मू रेलवे डिवीजन (742.1 किलोमीटर):

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में पठानकोट-जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला और बटाला-पठानकोट जैसे महत्वपूर्ण रेलवे सेक्शनों को मिलाकर 742.1 किलोमीटर लंबा नया जम्मू रेलवे डिवीजन स्थापित करने का उद्घाटन किया। इससे जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में रेल संपर्क में सुधार होगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

रायगढ़ रेलवे मंडल (ओडिशा):

ओडिशा के पूर्वी तटीय रेलवे के अंतर्गत रायगढ़ रेलवे मंडल भवन की आधारशिला रखी गई। यह परियोजना ओडिशा, आंध्र प्रदेश और आस-पास के क्षेत्रों में आवागमन संपर्क को बेहतर बनाएगी और समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

चरलापल्ली नए टर्मिनल स्टेशन (तेलंगाना):

तेलंगाना के मेडचल-मलकजगिरी जिले में लगभग 413 करोड़ रुपये की लागत से विकसित चरलापल्ली टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया गया। यह नया कोचिंग टर्मिनल सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा के मौजूदा स्टेशनों पर भीड़भाड़ को कम करेगा और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देगा। यहां पर प्लेटफॉर्म, लिफ्ट, एस्केलेटर और सौर ऊर्जा से संचालित सुविधाएं प्रदान की गई हैं। प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं के माध्यम से भारत में रेलवे कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की बात कही। वंदे भारत ट्रेनों की 50 से अधिक सेवाएं और अमृत भारत स्टेशन जैसे प्रकल्पों से भारतीय रेलवे के मानक ऊंचे हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय रेलवे का 100: विद्युतीकरण, 30,000 किलोमीटर नई पटरियों का निर्माण, और मानव रहित क्रॉसिंग को समाप्त करना देश की सुरक्षा और प्रगति के लिए अहम कदम हैं। इन परियोजनाओं से समाज और क्षेत्रीय आर्थिक विकास में तेजी आएगी और भारत को विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य के करीब ले जाएगा।

पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक ने मुख्यालय की राजभाषा मार्गदर्शिका 2025 का किया विमोचन।

सूत्र/पमरे- श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे के संरक्षण एवं श्री मनोज कुमार गुप्ता, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे पर भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का प्रभावी एवं कारगर अनुपालन किया जा रहा है। इस दिशा में नव वर्ष के अवसर पर पश्चिम मध्य रेलवे, मुख्यालय, जबलपुर की 'राजभाषा मार्गदर्शिका - 2025' का विमोचन श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के कर कमलों से किया गया। इस राजभाषा मार्गदर्शिका में राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, नियम, गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड स्तर पर लागू विभिन्न राजभाषा प्रोत्साहन एवं पुरस्कार योजनाओं सहित रेल कार्यालयों के विभागीय निरीक्षण के दौरान राजभाषा संबंधी निरीक्षण चौक लिस्ट का भी प्रकाशन किया गया है। इस मार्गदर्शिका में रेल अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दैनिक सरकारी कामकाज का विवरण भी दर्ज कर सकते हैं। इस अवसर पर श्री मनोज कुमार गुप्ता, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, श्री प्रज्ञेश निबालकर, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप मुख्य संरक्षा अधिकारी उपस्थित थे।

06071/06072 एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल (चेन्नई सेंट्रल) - गोमतीनगर - एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल (चेन्नई सेंट्रल) साप्ताहिक कुम्भ मेला विशेष गाड़ी का संचालन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले महाकुम्भ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु 06071/06072 एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल (चेन्नई सेंट्रल) - गोमतीनगर - एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल (चेन्नई सेंट्रल) साप्ताहिक कुम्भ मेला विशेष गाड़ी का संचालन 18 जनवरी, 15 फरवरी एवं 01 मार्च, 2025 को (चेन्नई सेंट्रल) से तथा 21 जनवरी, 18 फरवरी तथा 04 मार्च, 2025 को गोमतीनगर से 06 फेरों के लिए किया जाएगा। 06071 एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल (चेन्नई सेंट्रल) - गोमतीनगर कुम्भ मेला साप्ताहिक विशेष गाड़ी 18 जनवरी, 15 फरवरी एवं 01 मार्च, 2025 को एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल (चेन्नई सेंट्रल) से 14.20 बजे प्रस्थान कर गुडूर से 17.05 बजे, नेल्लूर से 17.35 बजे, ऑंगोल से 19.05 बजे, चीराला से 20.00 बजे, तेनाली से 21.00 बजे, न्यू गुंटूर से 21.45 बजे, दूसरे दिन विजयवाड़ा जं. से 00.25 बजे, खम्मम से 02.00 बजे, वारंगल से 03.30 बजे, सिरपूर कागज नगर से 06.50 बजे, बल्हारशाह से 08.50 बजे, गोंदिया से 14.30 बजे, बालाघाट से 15.30 बजे, नैनपुर से 16.30 बजे, जबलपुर से 19.35 बजे, कटनी से 20.50 बजे, मैहर से 21.45 बजे, सतना से 23.00 बजे, तीसरे दिन मानिकपुर से 00.47 बजे, प्रयागराज छिवकी से 02.40 बजे, मिर्जापुर से 04.30 बजे, चुनार से 05.25 बजे, वाराणसी से 07.50 बजे तथा अयोध्या धाम से 11.25 छूटकर गोमतीनगर 14.15 बजे पहुंचेगी। 06072 गोमतीनगर- एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल (चेन्नई सेंट्रल) कुम्भ मेला साप्ताहिक विशेष गाड़ी 21 जनवरी, 18 फरवरी तथा 04 मार्च, 2025 को गोमतीनगर से 03.45 बजे प्रस्थान कर अयोध्या धाम से 06.25 बजे, वाराणसी से 10.15 बजे, चुनार से 11.52 बजे, मिर्जापुर से 12.20 बजे, प्रयागराज छिवकी से 14.20 बजे, मानिकपुर से 17.02 बजे, सतना से 18.10 बजे, मैहर से 18.40 बजे, कटनी से 19.30 बजे, जबलपुर से 21.10 बजे, दूसरे दिन नैनपुर से 00.10 बजे, बालाघाट से 01.45 बजे, गोंदिया से 02.55 बजे, बल्हारशाह से 07.30 बजे, सिरपूर कागजनगर से 09.05 बजे, वारंगल से 11.45 बजे, खम्मम से 13.40 बजे, विजयवाड़ा से 15.55 बजे, न्यू गुंटूर से 16.45 बजे, तेनाली से 17.20 बजे, चीराला से 18.00 बजे, ऑंगोल से 19.00 बजे, नेल्लूर से 20.30 बजे तथा गुडूर से 21.00 बजे छूटकर एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल (चेन्नई सेंट्रल) 23.55 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 10, शयनयान श्रेणी के 07, जनरेटर सह लगेज यान का 01 तथा एल.एस.एल.आर. के 01 कोचों सहित कुल 19 कोच लगाए जाएंगे। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन के पास स्थित ऑटोमोटिव लिनन सफाई केन्द्र का दौरा कर कार्य प्रणाली की जानकारी दी

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री हिमांशु शेखर उपाध्याय ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन के पास स्थित ऑटोमोटिव लिनन सफाई केन्द्र में साफ, स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता वाले बेडरौल प्रदान किये जाने और प्रत्येक उपयोग के बाद मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री में धुलाई और इस्त्री करे जाने की प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी प्रदान की, ताकि यात्रियों को स्वच्छ बेडरॉल देकर उनकी आरामदायक, हाईजीनिक और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सके। श्री हिमांशु शेखर उपाध्याय, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी उत्तर रेलवे, ने बताया कि आनंद विहार स्टेशन के समीप स्थित ये मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री वर्ष 2017 में शुरू हुई थी। आनंद विहार से चलने वाली रेल गाड़ियों में इसी लॉन्ड्री से लिनेन यात्रियों तक पहुंचाई जाती हैं। श्री उपाध्याय ने विस्तार से बताया कि लॉन्ड्री में कैसे चादरों तकियों के कवर को पहले गंदगी के आधार पर छाठा जाता हैं, जो बहुत खराब होते हैं उनको हटा दिया जाता हैं, फिर उनको 40 मिनट ऑटो-मैटिक मशीन में धोया जाता है और उनको मशीनों के माध्यम से सुखाया जाता हैं। उसके बाद मैकेनाइज्ड रोलर प्रेस में इस्त्री की जाती हैं, जब इस्त्री की प्रक्रिया चलती हैं तो मशीन का तापमान 150 डिग्री सेल्सियस होता हैं, जिससे कपड़ों की इस्त्री साथ ही, भाप के माध्यम से स्थेरला-इजेशन हो जाता हैं। तत्पश्चात, उनकी व्हाइटोमीटर से जांच की जाती हैं। अगर व्हाइटोमीटर में 85% रीडिंग आती हैं तभी उसको पास माना जाता हैं अन्यथा पुनः उसको साफ किया जाता हैं। इस लॉन्ड्री में ब्लैंकेट (कंबल) का नेपथिलीन वेपर हॉट एयर से सैनिटाइजेशन भी किया जाता हैं।

बुलेट ट्रेन परियोजनाः महाराष्ट्र में 21 किमी लंबी सुरंग निर्माण की स्थिति, माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी द्वारा किया गया निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्टेशन बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और महाराष्ट्र राज्य के शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भारत की पहली भूमिगत/समुद्री सुरंग का निर्माण चल रहा है। 21 किलोमीटर सुरंग निर्माण कार्य में से 16 किलोमीटर टनल बोरिंग मशीनों के माध्यम से तथा शेष 5 किलोमीटर एनएटीएम के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक पर 7 किलोमीटर की समुद्र के नीचे सुरंग भी शामिल है।

निम्नलिखित स्थानों पर निर्माण कार्य पहले ही शुरू हो चुका है: (ग्राफिक संलग्न)

एडीआईटी (ADIT) (अतिरिक्त संचालित मध्यवर्ती सुरंग) पोर्टल: 394 मीटर लंबी एडीआईटी सुरंग मई 2024 (रिकॉर्ड समय 6 महीने) में पूरी हो चुकी है। इससे शिलफाटा के अतिरिक्त उत्खनन कार्य के लिए दो अतिरिक्त एनएटीएम फेस की सुविधा मिल गई है। इस अतिरिक्त पहुंच के कारण 1,111 मीटर (बीकेसी/एन1टीएम की ओर 1562 मीटर में से 622 मीटर और अहमदाबाद/एन2टीएम की ओर 1628 मीटर में से 489 मीटर) सुरंग बनाने का काम पूरा हो चुका है। 11 मीटर x 6.4 मीटर आयाम वाला एडीआईटी निर्माण और संचालन के दौरान मुख्य सुरंग तक वाहनों की सीधी पहुंच प्रदान करेगा और आपातकालीन स्थिति में निकासी प्रक्रिया के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

मुंबई एवएसआर स्टेशन निर्माण स्थल पर शाफ्ट 1: शाफ्ट की गहराई 36 मीटर, खुदाई का काम अभी चल रहा है

में शाफ्ट 2: 56 मीटर की गहराई का शाफ्ट पूरा हो गया है। इस शाफ्ट का उपयोग दो सुरंग खोदने वाली मशीनों को दो अलग-अलग दिशाओं में उतारने के लिए किया जाएगा, एक बीकेसी की ओर और दूसरी अहमदाबाद की ओर।

सावली में शाफ्ट 3 (घंसोली के पास): 39 मीटर की शाफ्ट गहराई पूरी कर ली गई है।

शिलफाटा में सुरंग पोर्टल: यह सुरंग का एनएटीएम छोर है। पोर्टल का काम पहले ही पूरा हो चुका है और 1628 मीटर (एन3टीएम) में से 602 मीटर सुरंग का काम अब तक पूरा हो चुका है।

सुरंग खुदाई कार्यों के दौरान बरती जा रही सावधानियां

- सुरंग के अंदर पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे सुरंग स्थलों के अंदर सुरक्षित और हवादार कार्यबल सुनिश्चित किया जा रहा है
- सभी उत्खनन सामग्री का निपटान राज्य सरकार के निर्देशानुसार किया जा रहा है
- सुरंग स्थलों के आसपास की संरचना/इमारतों की लगातार मॉनिटरिंग की जाती है
- झुकाव, अवसादन, कंपन, दरारें और विरूपण की मॉनिटरिंग के लिए निर्माण स्थलों पर और उसके आसपास विभिन्न प्रकार के भू-तकनीकी उपकरण जैसे कि इनक्लिनोमीटर, कंपन मॉनिटर, ग्राउंड सेटलमेंट मार्कर, टिल्ट मीटर आदि स्थापित किए गए हैं। ये उपकरण यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि न तो चल रहे भूमिगत कार्यों जैसे कि खुदाई और सुरंग निर्माण, और न ही साइट के आसपास की संरचनाओं को कोई खतरा हो।

सुरंग लाइनिंग के लिए कास्टिंग यार्ड:

16 किलोमीटर टीबीएम हिस्से के लिए सुरंग लाइनिंग की ढलाई के लिए एक डेडिकेटेड कास्टिंग यार्ड महापे में पहले से ही चालू है। 7,700 रिंग बनाने के लिए 77,000 खंडों को ढाला जाएगा। सुरंग की लाइनिंग के लिए विशेष रिंग खंड ढाले जा रहे हैं, प्रत्येक रिंग में नौ घुमावदार खंड और एक प्रमुख खंड शामिल हैं, प्रत्येक खंड 2 मीटर चौड़ा और 0.5 मीटर (500 मिमी) मोटा है।

बेहतर संरचनात्मकता और दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए उच्च श्रेणी एम70 ग्रेड कंक्रीट का उपयोग किया जा रहा है। कास्टिंग और स्टैकिंग यार्ड, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के महापे में 11.17 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यार्ड में साँचे के नौ सेट होंगे, प्रत्येक में दस टुकड़े होंगे।

अन्य विवरण:

- सेगमेंट की कास्टिंग के बाद स्टीम क्योरिंग की व्यवस्था। क्योरिंग कंपाउंड के साथ अंतिम क्योरिंग।
- प्रत्येक रिंग में स्टील रीइन्फोर्समेंट की मात्रः 4.368 मीट्रिक टन
- प्रत्येक रिंग में कंक्रीट की मात्रः 39.6 घन मीटर
- किनारों पर दरार को नियंत्रित करने के लिए जीएफआरपी (ग्लास फाइबर रीइनफोर्समेंटॉप लीमर) बार का उपयोग
- यार्ड में बैचिंग प्लांटः 3, प्रत्येक की क्षमताः 69 घन मीटर/घंटा
- यार्ड में अत्याधुनिक क्यूए-क्यूसी प्रयोगशाला में स्थायित्व पैरामीटर की जांच करने की सुविधाएं हैं

यार्ड में कास्टिंग कार्यों को स्वचालित और मशीनीकृत करने के लिए विभिन्न क्रेन, गैंट्री और मशीनें लगी हुई हैं, जिससे सेगमेंट की कास्टिंग और स्टैकिंग के दौरान उच्च गुणवत्ता का आश्वासन सुनिश्चित होता है। इसके अतिरिक्त, इस सुविधा में कास्टिंग शेड, स्टैकिंग क्षेत्र, बैचिंग प्लांट और स्टीम क्योरिंग क्षेत्र शामिल होंगे।

तीन नई ट्रेनों की शुरुआत और एक नया रोड ओवर ब्रिज राष्ट्र को समर्पित।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप, 03 जनवरी 2025 को गुवाहाटी से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा तेतेलिया स्टेशन यार्ड पर निर्मित एक नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) को राष्ट्र को समर्पित किया गया। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, भारत सरकार के माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री वैष्णव और माननीय विदेश मामले और कपड़ा राज्य मंत्री श्री पवित्र मार्गेरिटा की उपस्थिति के अलावा अन्य स्थानों पर सांसद/विधायकगण उपस्थित थे। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार चौधरी के साथ मुख्यालय और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय सांसद/विधायकगण और अन्य विशिष्ट व्यक्ति भी उक्त कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे। इस अवसर पर माननीय मंत्रियों की उपस्थिति में नाइलिट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए और उसका आदान-प्रदान किया गया। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक प्रमुख संस्थान है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एक विशिष्ट श्रेणी के तहत एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है। रोपर में मुख्य कैंपस के साथ-साथ अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, कालिकट, इम्फाल, ईटानगर, कोहिमा, गोरखपुर, पटना और श्रीनगर में इसकी 11 सह इकाइयां हैं। नाइलिट डीम्ड विश्वविद्यालय शिक्षा को नए सिरे से परिभाषित करने को तैयार है। यह उभरती डिजिटल तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण, साइबर सिक्यूरिटी एवं फॉरेंसिक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन लर्निंग, ब्ल कचेन टेक्नोल जी आदि में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कोर्स की सुविधा प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम उद्योग के साथ और उद्योग के लिए विकसित किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि कार्यबल उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार कौशल हासिल करेगा। शुरू की गई इन ट्रेनों में ट्रेन संख्या 55818/55817 (गुवाहाटी न्यू बंगाईगांव गुवाहाटी) दैनिक पैसेंजर, ट्रेन संख्या 15911/15912 (तिनसुकिया नाहरलगुन तिनसुकिया) त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 12047/12048 (गुवाहाटी उत्तर लखिमपुर गुवाहाटी) द्वि-साप्ताहिक जन शताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। इस समारोह के दौरान माननीय रेल मंत्री ने कहा कि इन सेवाओं से क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलने और असम तथा पड़ोसी क्षेत्रों में यात्रियों के लिए यात्रा विकल्पों में सुधार होने की उम्मीद है। आकाशवाणी कोकराझार में एक नए एफएम ट्रांसमीटर का भी उद्घाटन किया गया। इससे धुबड़ी, बंगाईगांव और चिरांग जिलों सहित क्षेत्र के 30 लाख से अधिक निवासियों को लाभ होगा, जिससे उन्हें स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण की सेवा का लाभ मिलेगा। माननीय रेल मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 2009-14 की अवधि की तुलना में चालू वर्ष के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे अवसंरचनात्मक विकास कार्य के लिए बजटीय आवंटन में पांच गुना से अधिक वार्षिक वृद्धि की गई है।

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरणः यात्रियों की सुविधा और संचालन में सुधार के लिए बड़ा कदम।

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा आधुनिकीकरण प्रोजेक्ट कर रहा है। इसका उद्देश्य यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और संचालन में सुधार करना है। भविष्य में, जम्मू तवी रेलवे स्टेशन जम्मू-कश्मीर घाटी में ट्रेन संचालन को और बेहतर तरीके से संभालने के लिए तैयार होगा। जम्मू तवी यार्ड के आधुनिकीकरण के लिए शुरू किया गया काम 6 मार्च 2025 तक पूरा करने की योजना है। यार्ड का पुनर्विकास लगभग पूरा हो चुका है और न न-इंटरल किंग का काम भी जल्द खत्म हो जाएगा। यार्ड का यह काम जम्मू तवी स्टेशन के पुनर्विकास का एक चुनौतीपूर्ण और कठिन काम था, लेकिन इसके पूरा होने के बाद स्टेशन का पुनर्विकास तेजी से होगा। इस बड़े अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 450 करोड़ रुपये है।

जम्मू तवी यार्ड पुनर्निर्माण प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्यः

- वर्तमान में 3 प्लेटफार्मों को बढ़ाकर 7 प्लेटफार्म बनाना।
- चार नए प्लेटफार्मों का निर्माण करना, जो अत्याधुनिक बैलास्टलेस ट्रैक तकनीक से लैस होंगे।
- प्लेटफार्मों पर संचालन को सुचारू बनाना और सफाई सुनिश्चित करना।
- वर्तमान में 3 प्लेटफार्म हैं, उन्नयन के बाद 7 प्लेटफार्म होंगे। प्रत्येक प्लेटफार्म पर धोने योग्य एप्रन होंगे, जो स्वच्छ वातावरण में योगदान देंगे।

यात्री सुविधाओं में सुधारः

- दो नए 12 मीटर चौड़े फुटओवरब्रिज का निर्माण, ताकि यात्रियों को आसानी से प्लेटफार्मों तक पहुंच मिल सके।
- सातों प्लेटफार्मों को जोड़ने के लिए 72 मीटर चौड़ी एयर कॉन्कोर्स का निर्माण, जिससे प्लेटफार्मों के बीच सुगम आवाजाही होगी और यात्री प्रवाह में सुधार होगा।
- नरवाल साइड पर 4,500 वर्ग मीटर का नया स्टेशन बिल्डिंग बनाए जाने की योजना।
- मुख्य स्टेशन बिल्डिंग का उन्नयन कर उसे 15,600 वर्ग मीटर की आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा।
- सिग्नल कंट्रोल रूम को नए भवन में स्थानांतरित किया जाएगा।

क्षमता में वृद्धिः

- धुलाई पिट लाइनों की संख्या 3 से बढ़ाकर 5 की जाएगी, जिससे अधिक ट्रेनों को संभालने की क्षमता बढ़ेगी।
- चार और स्टेबलिंग लाइनों के निर्माण से जम्मू तवी स्टेशन की क्षमता बढ़ेगी, जिससे अधिक ट्रेनों का संचालन हो सकेगा।
- ट्रेनों का शंटिंग करना और भी आसान होगा।
- इस उन्नयन के बाद पार्सल साइडिंग भी कार्यशील होगी।

ट्रैक लेआउट का आधुनिकीकरणः

- पुरानी मैकेनिकल इंटरल किंग प्रणालियों को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से बदलना, ताकि सुरक्षा और दक्षता में सुधार हो सके।

इस आधुनिकीकरण से यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा में महत्वपूर्ण सुधार होगा, संचालन की दक्षता बढ़ेगी, और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान होगा।

रामगढ़ स्टेशन पर गाड़ी संख्या– 12403/20403 प्रयागराज–लालगढ़ जंक्शन और 12404/20404 लालगढ़ जंक्शन–प्रयागराज एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारम्भ

सूत्र/रे.स.ब्यू-मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्ग दर्शन में आगरा मंडल अपने सभी सम्मानित रेल उपयोगकर्ताओं की सेवा में निरन्तर तत्पर है। इसी क्रम में क्षेत्र की जनता को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से आज दिनांक 16.01.2025 से गाड़ी संख्या- 12403/20403 व 12404/20404 प्रयागराज-लालगढ़ जंक्शन-प्रयागराज का रामगढ़ स्टेशन पर ठहराव का शुभारम्भ माननीय विधायक रामगढ़ श्री सुखवंत सिंह व अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा श्री प्रनव कुमार द्वारा रामगढ़ रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। गाड़ी सं.- 12403/20403 रामगढ़ स्टेशन पर आगमन 08.38 तथा प्रस्थान 08.40 तथा गाड़ी सं.12404/20404 लालगढ़ जंक्शन प्रयागराज एक्सप्रेस रामगढ़ स्टेशन पर आगमन 18.08 तथा प्रस्थान 18.10 पर होगा। जनप्रतिनिधी, यात्रियों की मॉग को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा इस ठहराव को दिया गया है। ट्रेन के रामगढ़ स्टेशन पर आगमन पर ट्रेन व ट्रेन के लोको पायलट का भी फूलों के हार से स्वागत किया। प्रयागराज लालगढ़ जंक्शन एक्सप्रेस के रामगढ़ स्टेशन पर ठहराव के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा श्री प्रनव कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अमित आनन्द, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधन फ्रेट/जीएसयू श्री कुलदीप मीना, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर सामान्य श्री रघुनाथ सिंह , वरिष्ठ मंडल इंजीनियर प्रथम श्री विवेक कुमार बजाज, मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री अनिल कुमार पटेल, मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री बीएस चौहान, मंडल परिचालन प्रबंधन कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव, मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री बी.एस कोहली, स्टेशन निदेशक मथुरा श्री एनपी सिंह, माननीय सांसद प्रतिनिधि, माननीय जेडआरयूसीसी सदस्य, माननीय डीआरयूसीसी सदस्य, माननीय एसआरयूसीसी सदस्य, रेलवे अधिकारी व रेलवे कर्मचारी एवं क्षेत्रीय जनता व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर्व पर 5031 श्रद्धालुओं सहित कुल 11218 श्रद्धालुओं को दी गयी चिकित्सा सेवा

- प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा मकर संक्रांति पर्व पर 101 आउटवर्ड एवं 22 इन्वर्ड गाड़ियों का किया गया संचालन
- 94000 से अधिक श्रद्धालुओं ने किया कुम्भ रेल सेवा वेब पोर्टल को विजिट
- 5700 से अधिक श्रद्धालुओं ने किया टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 पर काल
- 9000 से अधिक श्रद्धालुओं ने अब तक किया कुम्भ रेल सेवा ऐप को इंस्टाल
- महाकुंभ क्षेत्र के सभी स्टेशनों से 6 लाख से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए भेजा गया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ -2025 में रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए, सुरक्षा, आश्रय, आसान टिकट वितरण एवं बड़ी संख्या में गाड़ियों की व्यवस्था की गयी है। मण्डल रेल प्रबन्धक प्रयागराज मण्डल के मार्गनिर्देशन में प्रयागराज मण्डल की 1500 से अधिक वाणिज्य विभाग, 3000 से अधिक रेलवे सुरक्षा बल के जवान, 29 रेलवे सुरक्षा विशेष बल की टुकड़ियाँ, 02 महिला रेलवे सुरक्षा विशेष बल की टुकड़ियाँ, 22 डॉग स्क्वाड, 02 बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड, स्काउट्स एवं गाइड्स, सिविल डिफेंस सहित सभी विभागों की टीमें महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं को बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। महाकुंभ -2025 में आए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर दिनांक 14.01.2025 को 123 (101 आउटवर्ड और 22 इनवर्ड) स्पेशल गाड़ियां परिचालित की गयीं। मेला स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का विवरण निम्नवत है :

प्रयागराज मण्डल के प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी एवं सूबेदारगंज स्टेशनों से 7 विस्तारित गाड़ियां, 8 रिंग रेल गाड़ियां, 6 नियमित गाड़ियां, 4 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल गाड़ियां, 18 टाइम टेबल्ड मेला स्पेशल गाड़ियां एवं 58 ऑन डिमांड मेला स्पेशल गाड़ियों सहित कुल 101 आउटवर्ड गाड़ियां परिचालित की गयीं।इन गाड़ियों के अतिरिक्त महाकुंभ मेल के लिए 22 इन्वर्ड गाड़ियों को भी परिचालित किया गया।

महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं को सुलभता के साथ उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए प्रयागराज क्षेत्र के सभी स्टेशनों पर आंतरिक मूवमेंट प्लान के अनुरूप कार्य किया गया और श्रद्धालुओं को विशेष गाड़ियों के माध्यम से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इसी क्रम में प्रयागराज जंक्शन पर भी श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य के अनुरूप यात्री आश्रयों में भेजा गया निर्धारित यात्री आश्रय से उन्हें विशेष गाड़ी में बैठक उनके गंतव्य तक भेजा गया। इस दौरान सभी गतिविधियों की मॉनिटरिंग प्रयागराज जंक्शन पर स्थित कंट्रोल टावर में प्रयागराज मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण द्वारा की जा रही थी एवं स्थिति आकलन कर तत्काल आवश्यक निर्णय लिये जा रहे थे जिससे ट्रेनों से संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो और श्रद्धालुओं को विशेष गाड़ियों के माध्यम से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया जा सके। इस सभी प्रयासों के फलस्वरूप 6 लाख से अधिक श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य के लिए भेजा गया।

इसी क्रम में प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा उपलब्ध करायी गयी डिजिटल सेवाओं का श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी संख्या में उपयोग किया जा रहा है । 94000 से अधिक श्रद्धालुओं ने अब कुम्भ रेल सेवा पोर्टल को विजिट किया, 9000 से अधिक श्रद्धालुओं ने अब तक किया कुम्भ रेल सेवा ऐप को मोबाइल में इंस्टाल किया, 5700 से अधिक श्रद्धालुओं ने टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 पर काल किया, 572 श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के दिन टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 पर काल कर महाकुंभ संबंधी जानकारी प्राप्त की।

प्रयागराज मण्डल के चिकित्सा विभाग ने महाकुंभ -2025 में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए मकर संक्राति के दिन 5031 श्रद्धालुओं सहित 11 जनवरी, 2025 से 14 जनवरी, 2025 तक कुल 11208 श्रद्धालुओं को चिकित्सा सेवा प्रदान की । इस दौरान विभिन्न स्टेशनो पर बनाए गए आबाजर्वेशन रूम में भी गंभीर स्थित में लाये गए 9 श्रद्धालुओं इलाज किया गया एवं स्थिति सामान्य होने के उपरांत अग्रिम इलाज हेतु रेलवे अस्पताल एवं शहर के अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया ।

महाकुंभ -2025 में आए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर दिनांक 14.01.2025 को उत्तर रेलवे द्वारा 12 एवं पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा 35 स्पेशल गाड़ियों का संचालन किया गया।

महाकुम्भ सुरक्षा व्यवस्थाओं के मद्देनज़र चीफ सेक्रेटरी/उत्तर प्रदेश ने किया प्रयागराज जंक्शन और खुसरो बाग का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 16.01.2024 को महाकुंभ -2025 की सुरक्षा व्यवस्थाओं के मद्देनजर चीफ सेक्रेटरी/उत्तर प्रदेश श्री मनोज कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक/उत्तर प्रदेश पुलिस श्री प्रशांत कुमार सहित जिलाधिकारी प्रयागराज, पुलिस आयुक्त/ प्रयागराज, वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त/ प्रयागराज, पुलिस अधीक्षक/राजकीय रेलवे पुलिस एवं सिविल प्रशासन द्वारा आगामी मुख्य अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के मद्देनजर प्रयागराज जंक्शन के यात्री आश्रय एवं खुसरो बाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । महाकुंभ -2025 में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिगत सिविल प्रशासन और रेलवे प्रशासन मिलकर तैयारी कर रहे है।

> "आस्था और विश्वास का महासंगम है महाकुंभ, जहाँ हर कण में दिव्यता का वास होता है।"

महाकुम्भ में रेल के माध्यम से आ रहे तीर्थयात्रियों के लिए कुछ विशेष सूचनाएं

महाकुंभ में रेल के माध्यम से आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल ने विशेष प्रबंध किए हैं, ताकि उन्हें किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए रेलवे ने विशेष निर्देश जारी किए हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन निर्देशों का पालन करें।

दिशावार स्टेशन

प्रयागराज शहर मे 9 रेलवे स्टेशन हैं जहाँ से विभिन्न दिशाओं के यात्री मुख्य स्नान दिवसों पर अपनी दिशा के अनुसार गाड़ी पकड़ सकते हैं।

जोन	रेलवे स्टेशन	दिशा की ओर
उत्तर मध्य रेलवे	प्रयागराज जंक्शन (PRYJ)	कानपुर (CNB) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU) सतना (STA) झांसी (VGLJ)
	नैनी जंक्शन (NYN)	सतना (STA) झांसी (VGLJ) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU)
	प्रयागराज छिक्की (PCOI)	सतना (STA) झांसी (VGLJ) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU)
	सूबेदारगंज (SFG)	कानपुर (CNB)
उत्तर रेलवे	प्रयागराज संगम (PYGS) (मुख्य स्नान दिवसों को छोड़कर)	अयोध्या (AY) जौनपुर (JNU) लखनऊ (LKO)
	प्रयागराज जंक्शन (PRG) फाफामऊ जंक्शन (PFM)	अयोध्या (AY) जौनपुर (JNU) लखनऊ (LKO)
पूर्वोत्तर रेलवे	प्रयागराज रामबाग स्टेशन (PRRB) झूंसी (JI)	वाराणसी (BSB) गोरखपुर (GKP) मऊ (MAU)

स्टेशनों पर यात्री आश्रयों की कलर कोडिंग (उत्तर मध्य रेलवे)

स्टेशन	गेट नं.	यात्री आश्रय नं.	कलर कोडिंग	दिशा (की ओर)
प्रयागराज जंक्शन	1	1	लाल	लखनऊ, वाराणसी
	2	2	नीला	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	3	3	पीला	मानिकपुर, सतना, झांसी
	4	4	हरा	कानपुर
	5	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
नैनी जंक्शन	1	1	हरा	कानपुर
	1	2	नीला	मानिकपुर, झांसी
	1	3	लाल	मानिकपुर, सतना
	2	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
	3	4बी	पीला	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	4	4ए	पीला	
प्रयागराज छिक्की	1ए	2	लाल	मानिकपुर, सतना, झांसी
	1बी	1	हरा	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	2	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
सुबेदारगंज	1	1		कानपुर
	3	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

- जेबकतरों से सावधान रहे।
- अपने सामान का ध्यान रखें।
- अपने आस-पास नज़र रखें और अगर आपको अपने आस-पास कोई लावरिस वस्तु दिखे तो ऑनबोर्ड स्टाफ, सुरक्षा कर्मचारियों और स्वयंसेवको को सूचित करें।
- अधिकृत आउंटर/कर्मियों से ही टिकट खरीदें।घबराएँ नहीं।
- कतार में चले और अपने आगे के लोगों को धक्का देने से बचें।
- रेलवे स्टेशनों पर तैनात सुरक्षा/टिकट जांच कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन पालन करें।
- प्लेटफॉर्म और एफओवी पर न बैठे, उन्हे आवाजाही के लिए खुला रखे।
- गाड़ी के अंदर एवं स्अेशनों परिसर मे न थूके और न ही कूड़ा फैलाएं।

मुख्य स्नान पर्वों पर प्रतिबंध

कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और उनकी सुगम निकासी के लिए रेलवे स्टेशनों पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाएंगे। प्रतिबंध मुख्य स्नान दिवस के एक दिन पहले से मुख्य स्नान दिवस के दो दिन बाद तक लागू रहेगा।

मुख्य स्नान पर्व	दिनांक	प्रतिबंध अवधि
पौष पूर्णिमा	13.01.2025	12.01.2025 (00:00)to 16.01.2025 (24:00)
मकर सक्रांति	14.01.2025	
मौनी अमावस्या	29.01.2025	28.01.2025 (00:00) to 31.01.2025 (24:00)
बसंत पंचमी	03.02.2025	02.02.2025 (00:00) to 05.02.2025 (24:00)
माघ पूर्णिमा	12.02.2025	11.02.2025 (00:00) to 14.02.2025 (24:00)
महाशिवरात्री	26.02.2025	25.02.2025 (00:00) to 28.02.2025 (24:00)

प्रतिबंध अवधि के दौरान

प्रयागराज जंक्शन

- प्रवेश केवल सिटी साइड (प्लेटफॉर्म नं.1 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल सिविल लांइन साइड की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को सिटी साइड से गेट नंबर 5 के माध्यम से अलग से प्रवेश दिया जाएगा।

नैनी जंक्शन

- प्रवेश केवल स्टैशन रोड से दिया जाएगा।
- निकास केवल माल गोदाम की ओर (द्वितीय प्रवेश द्वार) से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-2 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

सूबेदारगंज स्टेशन

- प्रवेश केवल झलवा (कौशाम्बी रोड) की ओर से दिश जाएगा।
- निकास केवल जी.टी. रोड की ओर दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों के लिए यात्री आश्रय की व्यवस्था रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-3 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

प्रयाग जंक्शन

- प्रवेश केवल पैधम लाइल (प्लेटफॉर्म नं.1 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल रामप्रिया रोड (प्लेटफॉर्म नं. 4) की ओर से होगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

फाफामऊ जंक्शन

- प्रवेश केवल द्वितीय प्रवेश द्वार (प्लेटफॉर्म नं.4 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल फाफामऊ बाजार (प्लेटफॉर्म नं. 1) की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को साहसों रोड स्थित द्वितीय प्रवेश मार्ग से ही प्रवेश दिया जाएगा

प्रयागराज रामबाग स्टेशन

- प्रवेश केवल हनुमान मंदिर चौराहा की ओर से मुख्य प्रवेश द्वार से दिया जाएगा।
- निकास केवल लाउदर रोड की ओर दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

झूंसी स्टेशन

- प्रवेश और निकास की सुविधा स्टेशन के दोनों ओर से दी जाएगी।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

प्रयागराज छिवकी स्टेशन

- प्रवेश केवल प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग को जोड़ने वाले सीओडी मार्ग से दिया जाएगा।
- निकास केवल जी.ई.सी. नैनी रोड (प्रथम प्रवेश) की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-2 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

नोटः- प्रयागराज संगम स्टेशन मुख्य स्नान दिवसों पर (मुख्य स्नान दिवस के एक दिन पहले से दो दिन बाद तक) बंद रहेगा।

पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान शुरू

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 7 दिसंबर 2024 से शुरू होने वाले व्यापक 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र से तपेदिक (टीबी) रोग को मिटाना है। इस अभियान में जागरूकता बढ़ाने, जनता को शिक्षित करने और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की गई विभिन्न गतिविधियाँ शामिल हैं। क्षय रोग (टीबी) एक संक्रामक रोग है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है, साथ ही शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता है। इसके सामान्य लक्षणों में लगातार खांसी, बुखार, रात में पसीना आना और वजन कम होना शामिल हैं। टीबी संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने पर हवा में मौजूद कणों के माध्यम से फैलता है। रोग के प्रबंधन और उन्मूलन में प्रारंभिक निदान और उचित उपचार महत्त्वपूर्ण हैं। अभियान के शुभारंभ के बाद से, टीबी के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए कई प्रभावशाली उपाय लागू किए गए हैं। यात्रियों और निवासियों को टीबी की रोकथाम और उपचार के बारे में जानकारी देने और शिक्षित करने के लिए रेलवे परिसरों और कॉलोनियों में ऑडियो घोषणाएँ लगातार प्रसारित की गई हैं। टीबी के लक्षणों, रोकथाम के तरीकों और रोग के आरंभ में ही इसके निदान के महत्व को उजागर करने वाली आकर्षक वीडियो सामग्री प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्रदर्शित की गई है। इसके अतिरिक्त, लोगों का ध्यान आकर्षित करने और टीबी के बारे में महत्त्वपूर्ण संदेश देने के लिए आसनसोल में मंडल रेलवे अस्पताल और डीआरएम कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर यथाअपेक्षित बैनर रणनीतिक रूप से लगाए गए हैं। सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री के वितरण ने यह सुनिश्चित किया है कि यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को टीबी से संबंधित आवश्यक जानकारी तक पहुँच हो। आगे देखते हुए, इस दिशा में निर्धारित लक्ष्यों को और मजबूत करने के लिए अभियान में कई आगामी गतिविधियाँ शामिल होंगी। स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और समुदाय को टीबी नियंत्रण और प्रबंधन के बारे में शिक्षित करने के लिए आसनसोल मंडल के भीतर प्रत्येक स्वास्थ्य इकाई में सूचनात्मक सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। टीबी उन्मूलन प्रयासों के लिए सामुदायिक जुड़ाव और समर्थन जुटाने के लिए जागरूकता रैलियां आयोजित की जाएंगी। रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय समुदायों के बीच 'निक्षय शपथ' दिलाई जाएगी, जो टीबी को खत्म करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। सभी रेलवे परिसरों और कॉलोनियों में नियमित ऑडियो घोषणाओं के माध्यम से जनता को अवगत रखने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

श्री तरुण प्रकाश ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया।

सूत्र/ रे.स.ब्यू- श्री तरुण प्रकाश ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) के महाप्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया है। इस नियुक्ति से पहले वे रेलवे बोर्ड में प्रधान कार्यकारी निदेशक (सिग्नल एवं दूरसंचार)/विकास के पद पर कार्यरत थे। रेलवे क्षेत्र में अपनी दशकों की सेवा और तकनीकी विशेषज्ञता के लिए पहचाने जाने वाले श्री तरुण प्रकाश के नेतृत्व में SECR के कार्यों में नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद है। उनकी गहरी समझ और व्यापक अनुभव से रेलवे की परिचालन प्रक्रिया, यात्री सेवाओं और तकनीकी उन्नयन को सुदृढ़ किया जा सकेगा। SECR परिवार ने श्री तरुण प्रकाश का गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री तरुण प्रकाश ने पदभार ग्रहण करते समय रेलवे के प्रति अपने समर्पण और नए लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

प्रयागराज जंक्शन पर मुख्यमंत्री ने किया यात्री सुविधाओं का निरीक्षणः जंक्शन के री-डेवलपमेंट कार्यों, कंट्रोल रूम, आश्रय स्थल, फायर सेफ्टी के कार्यों को देखा, यूटीएस टिकटिंग की ली जानकारी।

सूत्र/रे.स.ब्यू-प्रयागराज रेलवे जंक्शन पर तैयारियों की परख करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार और रेलवे के अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों के लिए रेलवे सबसे सुलभ साधन है। अनुमान के तौर पर लगभग 10 करोड़ लोग इस बार ट्रेन से महाकुंभ आएंगे। विभिन्न राज्यों से आने वाले लोगों की सुविधा के लिए उचित होगा कि विभिन्न प्रांतीय भाषाओं में रेलवे अनाउंसमेंट किया जाए। मुख्यमंत्री ने रेलवे अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक में उनकी कार्ययोजना पर चर्चा की और कहा कि लोगों को रेलवे स्टेशन से महाकुंभ मेला क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए रोडवेज की बसें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। रेलवे स्टेशन पहुंचे मुख्यमंत्री ने सबसे पहले रेलवे द्वारा तैयार चिकित्सा सहायता केंद्र का निरीक्षण किया, यहां मेला के दौरान यात्री की बीमारी की स्थिति में प्रारंभिक जांच की सारी व्यवस्था की जा रही है। इसके बाद रेलवे के 22,000 लोगों के प्रवास की क्षमता वाले आश्रय स्थल में व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में पहली बार लागू हुई खास यूटीएस से मोबाइल टिकटिंग सेवा के बारे में भी जानकारी ली और फिर फायर सेफ्टी से जुड़े रेलकर्मियों से बातचीत की। प्रयागराज रेलवे जंक्शन पर मुख्यमंत्री ने रेलवे कंट्रोल रूम का निरीक्षण भी किया।

महाकुंभ मेला के दौरान रेलवे स्टेशनों पर श्रद्धालुओं के सहयोग में कर्मचारी तत्परता से कर रहे कार्य

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल प्रशासन द्वारा महाकुम्भ -2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर यात्री सुविधा प्रदान करने को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज परिक्षेत्र के स्टेशनों पर वाणिज्य विभाग, रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, सिविल डिफेंस, सेंट जॉन एम्बुलेंस एवं सिविल कर्मचारियों को श्रद्धालुओं को सेवा प्रदान के लिए लगाया गया है। इन सभी के सहयोग से महाकुम्भ में विभिन्न जगह से आए श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। कर्मचारियों के सहयोग से श्रद्धालुओं को स्टेशन पर प्रवेश से लेकर गाड़ी तक सुलभता से पहुचने मे मदद कर रहे है। श्रद्धालुओं को अपनों से बिछड़ जाने में पर उनको मिलाने में सहयोग, यात्रियों को अपने क्षेत्र की गाड़ियों की जानकारी, रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बुजुर्ग या दिव्यांग को अपना सहारा देकर प्लेटफॉर्म तक पहुचाने में सहयोग कर रहे है। चिकित्सा टीम बीमार श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा में सहायता दे रहे है।

आगरा मंडल में माह नवम्बर - 2024 में बिना उचित कारण अलार्म चेन खींचने (ACP) वाले 221 लोगों पर कार्रवाई।

सूत्र/रे.स.ब्यू - मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में आगरा मंडल में माह नवम्बर - 2024 में बिना उचित कारण अलार्म चेन खींचने (ACP) वाले 221 लोगों पर कार्रवाई करके 11,120/- रुपये जुर्माना वसूला गया। आगरा मंडल सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराने के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है। इन्हीं प्रयासों के क्रम में आगरा मंडल के वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बिना उचित कारण के अलार्म चेन खींचने वालों के विरुद्ध निरंतर सघन चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। जिसमें नवम्बर - 2024 में आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर 82, आगरा किला स्टेशन पर 09, मथुरा जंक्शन पर 110, कोसीकलां स्टेशन पर 8 और धौलपुर स्टेशन पर 07 लोगों पर कार्रवाई कर जुर्माना वसूला गया। रेल प्रशासन अपने सम्मानित यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना उचित एवं पर्याप्त कारण के चेन पुलिंग न करें, ऐसा करना दंडनीय अपराध है। उत्तकृत्य से आपके साथी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अन्य क्षेत्रीय रेलवे के सहयोग से निम्नलिखित महाकुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

उत्तर मध्य रेलवे नेटवर्क से होकर गुजरने वाली महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	चलने का दिन	संचालन की तिथि	*उत्तर मध्य रेलवे के स्टेशनों पर ठहराव
06207	मैसूरू	16:30	दानापुर	10:00	शनिवार	18 जन.,15 फर.,01 मार्च 2025	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर,चुनार
06208	दानापुर	01:45	मैसूरू	15:00	बुधवार	22 जन.,19 फर., 05 मार्च 2025	
05611	कामाख्या	05:30	टूण्डला	19:20	गुरू., शनि.	09 व 25 जन.,08 व 22 फर. 2025	मिर्जापुर, प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा
05612	टूण्डला	03:00	कामाख्या	17:45	शनि.,सोम.	11, 27 जन.,10,24 फर. 2025	
05811	नाहरलगुन	14:30	टूण्डला	06:30	गुरू., शनि.	09,25 जन.,08,22 फर. 2025	
05812	टूण्डला	11:20	नाहरलगुन	05:50	शनि.,सोम.	11, 27 जन.,10,24 फर. 2025	
08057	टाटानगर	20:55	टूण्डला	19:20	रविवार	19.01.2025	
08058	टूण्डला	03:00	टाटानगर	23:55	मंगलवार	21.01.2025	
08067	राँची	10:30	टूण्डला	06:30	रविवार	19.01.2025	
08068	टूण्डला	16:20	राँची	15:50	सोमवार	20.01.2025	
03219	पटना	14:25	प्रयागराज	22:00	शुक्र.,शनि.	10,11,17,18 एवं 25 से 27 जन. 2025 08 से 10,10 से 18, 22, 24, 25, 27 एवं 28 फर. 2025	चुनार, मिर्जापुर, विन्ध्याचल, मांडा रोड, मेजा रोड, नैनी
03220	प्रयागराज	22:35	पटना	09:15	रवि.,सोम.		
03689	गया	02:20	प्रयागराज	10:10	मंगलवार		
03690	प्रयागराज	11:00	गया	18:45	गुरूवार		
09371	डा.अंबेडकर नगर	13:45	बलिया	19:15	बुधवार एवं शनिवार	22 एवं 25.01.2025 08 एवं 22.02.2025	ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी फतेहपुर, प्रयागराज जं. मिर्जापुर, चुनार
09372	बलिया	23:45	डा.अंबेडकर नगर	05:30	गुरूवार एवं रविवार	23 एवं 26.01.2025 09 एवं 23.02.2025	
09031	उधना	06:40	गाजीपुर सिटी	18:05	शुक्रवार एवं रविवार	17.01.2025 16.02.2025	
09032	गाजीपुर सिटी	00:30	उधना	12:45	रविवार एवं मंगलवार	19.01.2025 18.02.2025	
09029	विश्वामित्री	08:35	बलिया	19:00	सोमवार	17.02.2025	
09030	बलिया	23:30	विश्वामित्री	10:05	मंगलवार	18.02.2025	
09019	वलसाड	08:40	दानापुर	18:00	मंगल. बुध., गुरू., शुक्र., शनि.,रवि.	08,17,21 एवं 25 जन., 08,15, 19,26 फर. 2025	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, चुनार
09020	दानापुर	23:30	वलसाड	09:30		09,18,22,26 जन. 09,16,20,27 फर. 2025	
09017	वापी	08:20	गया	19:00	सोम.,मंगल.,बुध. शुक्र.,गुरू.,शनि.	09,16,18,20,22,24 जन. 07,14,18 एवं 22 फर.2025	
09018	गया	22:00	वापी	10:00	रवि.,मंगल.,बुध. गुरू.,शुक्र.,शनि.	10,17,19,21,23 एवं 25 जन., 08,15,19,23 फर. 2025	
09413	साबरमती	11:00	बनारस	14:45	गुरू.,बुध.,शनि., शुक्र.,मंगल.,	16.01.2025, 05,09,14 एवं 18 फरवरी	आगरा फोर्ट, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज जं.
09414	बनारस	19:30	साबरमती	00:30	शुक्र.,गुरू.,सोम. शनि.,बुधवार	17.01.2025, 06,10,15 एवं 19 फरवरी 2025	
09555	भावनगर टर्मिनस	05:00	बनारस	14:45	बुध.,गुरू., सोम	22.01.2025 16 एवं 20 फरवरी 2025	
09556	बनारस	19:30	भावनगर टर्मिनस	05:00	गुरू.,सोम., शुक्र.	23.01.2025 17 एवं 21 फरवरी 2025	
09421	साबरमती	10:25	बनारस	14:45	रविवार एवं गुरूवार	19, 23, 26 जन.2025	
09422	बनारस	19:30	साबरमती	01:25	सोम., शुक्र.	20,24,27 जन. 2025	
09591	वेरावल	22:20	बनारस	14:45	शनिवार	22.02.2025	
09592	बनारस	19:30	वेरावल	09:00	सोमवार	24.02.2025	
09537	राजकोट	06:05	बनारस	14:45	गुरू.,शनि.,बुध.	06,15 एवं 19 फरवरी 2025	
09538	बनारस	19:30	राजकोट	04:10	शुक्र.,रवि.,गुरू.	07,16 एवं 20 फरवरी 2025	
09403	अहमदाबाद	21:15	जंघई	03:00	सोम.,मंगल.,बुध. गुरू.,शुक्र.,शनि.	09,16 एवं 21 जन.,05,14 15,18,19 एवं 26 फर.2025	
09404	जंघई	08:30	अहमदाबाद	18:00	रवि.,सोम., गुरू.,शुक्र.,शनि.	11,18,23 जन., 07,16, 17,20,21,28 फरवरी 2025	
08425	भुवनेश्वर	12:30	टूण्डला	20:15	बुधवार	01,08,22 जन. एवं 05,19,26 फर. 2025	मिर्जापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा
08426	टूण्डला	03:00	भुवनेश्वर	07:00	शुक्रवार	03,10,24 जन. एवं 07,21,28 फर. 2025	
08417	पुरी	12:30	टूण्डला	20:15	सोमवार	06,20 जन., 17 फर.2025	
08418	टूण्डला	03:00	पुरी	09:45	बुधवार	08,22 जन.,19 फर. 2025	
08314	टिटिलागढ़	17:00	टूण्डला	02:30	गुरूवार	09,16,23 जन.06,20,27 फर.	
08313	टूण्डला	05:00	टिटिलागढ़	11:00	शनिवार	11,18,25 जन. 08,22 फर. 01 मार्च 2025	
08530	विशाख-पट्टणम	17:35	पं. दीन दयाल उपा.	04:30	गुरूवार	09,16,23 जन. 06,20,27 फरवरी 2025	मानिकपुर प्रयागराज छिवकी मिर्जापुर चुनार
08529	पं. दीन दयाल उपा.	20:10	विशाख-पट्टणम	03:25	शनिवार	11.18.25 जन. 08,22 फर. 01 मार्च 25	
08562	विशाख-पट्टणम	22:20	गोरखपुर	20:25	रविवार	05,19 जन., 16 फरवरी 2025	
08561	गोरखपुर	14:20	विशाख-पट्टणम	12:15	बुधवार	08,22, जन., 19 फरवरी 2025	
06005	कन्याकुमारी	20:30	गया	01:30	सोमवार	06, 20 जनवरी	
06006	गया	23:55	कन्याकुमारी	03:50	गुरूवार	09, 23 जनवरी 2025	
06021	कोच्चुवेली	14:00	गया	01:30	मंगलवार	07,21 जन., 04 फर.	
06022	गया	23:55	कोच्चुवेली	10:15	शुक्रवार	10, 24 जन., 07 फर.	
06001	चेन्नई	14:20	गोमतीनगर	14:15	बुधवार	08,15,22 जन. 05,19,26 फर. 2025	
06002	गोमतीनगर	03:45	चेन्नई	23:55	शनिवार	11,18,25 जनवरी, 08,22,26 फर.,01 मार्च 2025	
06003	कन्याकुमारी	20:30	बनारस	21.50	सोमवार	17.02.2025	
06004	बनारस	18:05	कन्याकुमारी	21:00	गुरूवार	20.02.2025	
06007	कोच्चुवेली	14:00	बनारस	21:50	मंगलवार	18, 25 फरवरी,	
06008	बनारस	18:05	कोच्चुवेली	23:55	शुक्रवार	21, 28 फरवरी 2025	

*नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं. 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2185/24 FA

सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड ने महाकुंभ-2025 के लिए रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 04.01.2025 को सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड, श्री हितेंद्र मल्होत्रा ने महाकुंभ-2025 के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रयागराज जंक्शन पर बने यात्री आश्रयों एवं यात्री आश्रय में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ऑब्जर्वेशन रूम का भी निरीक्षण किया और ऑब्जर्वेशन रूम के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इसी क्रम में सदस्य रेलवे बोर्ड महोदय ने प्रयागराज जंक्शन पर स्थित कंट्रोल टावर का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल श्री संजय सिंह ने कंट्रोल टावर की कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री संजय सिंह, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री श्री कृष्ण शुक्ला, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री हिमांशु शुक्ला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड ने सर्वप्रथम संगम क्षेत्र में रेलवे कैंप का निरीक्षण किया, तत्पश्चात प्रयागराज रामबाग, झूंसी स्टेशन, सुबेदारगंज स्टेशनों का निरीक्षण किया। इसी क्रम में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर कार्यालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के अगले क्रम में उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चंद्र जोशी सहित मुख्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड ने महाकुंभ-2025 के अवसर पर श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास की व्यवस्था, यात्री आश्रय, कलर कोडिंग, टिकट वितरण और आपदा प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। बैठक के दौरान रेलवे द्वारा महाकुंभ के लिए की गई तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड ने बैठक के बाद सुरक्षित महाकुंभ के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

संपादकीय

महाकुंभ 2025: यात्रियों के लिए जरूरी सुझाव, यात्री किन बातों का रखें ध्यान

भक्ति और सुरक्षा का संगममहाकुंभ भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का विराट मेला है, जहां लाखों श्रद्धालु संगम पर स्नान और पुण्य लाभ के लिए एकत्र होते हैं। 2025 का महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित होने जा रहा है, और इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए यात्रियों को कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा।

- यात्रा की पूर्व योजना बनाएं भीड़भाड़ के कारण परिवहन सेवाओं पर दबाव होता है। अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं। ट्रेन और बस की बुकिंग समय से कर लें। साथ ही, अपने ठहरने की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करें।
- स्वास्थ्य और स्वच्छता का रखें ध्यान संगम स्नान के दौरान स्वच्छता का पालन करें। प्राथमिक चिकित्सा किट, जरूरी दवाएं और पीने का साफ पानी अपने साथ रखें। ठंड या किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या के लिए नजदीकी मेडिकल कैंप का सहारा लें।
- भीड़ में सतर्क रहें अपने कीमती सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान दें। आपस में संपर्क बनाए रखने के लिए परिवार के सदस्यों के पास मोबाइल चार्ज रखें।
- सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करें प्रशासन द्वारा जारी किए गए सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करें। पार्किंग और स्नान स्थलों पर लगी व्यवस्था का सम्मान करें। किसी भी समस्या की स्थिति में नजदीकी पुलिसकर्मी या सहायता केंद्र से संपर्क करें।
- स्वच्छता में निभाएं भूमिका महाकुंभ में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें। प्लास्टिक के उपयोग से बचें और पर्यावरण की रक्षा में अपना योगदान दें।

सजग यात्री, सुखद अनुभव महाकुंभ में सुरक्षा और सतर्कता आपका अनुभव अविस्मरणीय बना सकते हैं। यह मेला केवल आस्था का नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का भी प्रतीक है। मिल-जुलकर इसे सफल और आनंदमय बनाएं।

हे सनातनी आत्मसात कर

हे सनातनी आत्मसात कर
अब अपने हित की बात कर।

बहुत हो चुका कुटुंभकम का नारा
नहीं मिलेगा कोई सहारा पुरुष हो
तो पुरुषार्थ कर अब तुम प्रतिघात
कर।

हे सनातनी आत्मसात कर अब
अपने हित की बात कर।

बहुत हो चुका बनावटी भाईचारा
मत बन तुम बेचारा अन्यथा मिट
जायेगा ये जग सारा अब तुम उन
पे आघात कर।

हे सनातनी आत्मसात कर अब
अपने हित की बात कर।

शास्त्र के साथ शस्त्र उठाओ
अपने अंदर राम ,प्रशुराम कृष्ण को
जगाओ, हनुमान बन पहाड़ उठाओ
अर्जुन बन वाण बरसाओ।

हे सनातनी आत्मसात कर अब
अपने हित की बात कर।

उनसे क्या घबराना जो मरने के
बाद मिट्टी में मुँह छुपा ले ,
तुम तो हो आग का दिवाना
उस अग्नि का आह्वान कर।

हे सनातनी आत्मसात कर अब
अपने हित की बात कर।

कोई रविवार को भिड़ जुटाता
कोई शुक्रवार को मजमा लगाता,
तुम इन अमंगलो के लिए मंगल
का अनुसन्धान कर।

हे सनातनी आत्मसात कर अब
अपने हित की बात कर।

कोई शिखर पर घण्टा लगाता
कोई मिनार से चिल्लाता, तुम
महाम त्युंजय और गायत्री का जाप
कर साथ में शंख नाद कर।

हे सनातनी आत्मसात कर अब
अपने हित की बात कर।

जो तुम्हारें शास्त्र को झूठा बताये
हर वक्त तुम्हें निचा दिखाऐ, उनके
नाक कान जिह्वा का छेदन कर
वाजु का शरीर से विभेदन कर।

हे सनातनी आत्मसात कर
अब अपने हित की बात कर।

सहने का समय अब न रहा न कुछ
कहने का समय रहा, ढ़ढ़ निश्चय
कर तू अब सिर्फ तुम इनका
प्रतिकार कर।

हे सनातनी आत्मसात कर अब
अपने हित की बात कर।

नरेन्द्र तू अब सिर्फ न बात कर
कालयमन के मित्रों को सामाज में
छुपे दुष्टों का रूद्र रूप धर संघार
कर।

हे सनातनी आत्मसात कर अब
अपने हित की बात कर।

नरेन्द्र कुमार
बचरी (ताप), अखगांव, संदेश,
भोजपुर (आरा) बिहार - 802161

मुंबई सेंट्रल मंडल के लिए 2024 रहा अभूतपूर्व उपलब्धियों का वर्ष

वर्ष 2024 पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के लिए एक ऐतिहासिक अवधि रही है, जो विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों से चिह्नित है। यहाँ मंडल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विस्तृत विवरण दिया गया है:

बुनियादी ढांचे का विकास

- स्टेशन पुनर्विकासः यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उधना और सूरत स्टेशनों को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ नया रूप दिया जा रहा है और यह कार्य तेजी से चल रहा है।
- अमृत भारत स्टेशन योजना (ABS): व्यापक आधुनिकीकरण के लिए इस पहल के अंतर्गत 19 स्टेशन और 23 आरओबी/आरयूबी विकसित किए जा रहे हैं।
- प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं: वगोरेगांव-मालाड-कांदिवली के बीच छठी लाइन का कार्य पूरा हो गया है।
- 1 सितंबर, 2024 को मालाड में नया प्लेटफॉर्म नंबर 1 चालू किया गया,
- साथ ही प्लेटफॉर्म का नया नंबरिंग भी किया गया।
- बाईपास लाइन नंबर 2 पर उधना रेल लेवल प्लेटफॉर्म 23 मार्च, 2024 को चालू किया गया।
- एफओबी और आरओबी परियोजनाएं: मुंबई सेंट्रल, प्रभादेवी, मरीन लाइन्स, अंधेरी, खार रोड स्काईवॉक, मीरा रोड, वसई रोड और अंधेरी में गोखले आरओबी सहित प्रमुख स्थानों पर निर्माण पूरा हो गया है।

यात्री सेवाएँ

- ईएमयू सेवाओं का विस्तार: 12 नई ईएमयू सेवाएँ शुरू की गईं, जिससे कुल संख्या बढ़कर 1,406 हो गई।
- 15-कार सेवाएँ: 12-कार रेक को 15-कार कॉन्फिगरेशन में अपग्रेड करके 199 से बढ़ाकर 209 कर दी गई।
- पैनोरमिक डिजिटल डिस्प्ले: भारतीय रेल में पहली बार लोकल ट्रेन केमोटरमन कोच में शुरू किया गया, जिससे सेवा की स्पष्ट पहचान में मदद मिली।
- वातानुकूलित लोकल में वृद्धि: 13 नई एसी सेवाएँ शुरू की गईं, जिससे कुल संख्या 96 से बढ़कर 109 हो गई।
- डायनेमिक क्यूआर कोड सिस्टम: कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए 412 यूटीएस और 95 पीआरएस काउंटरों पर लागू किया गया। इससे टिकट खरीदने की प्रक्रिया में काफी सुधार हुआ है और यात्रियों को डिजिटल भुगतान विधियों का उपयोग करके टिकट खरीदने में सक्षम बनाया गया है।
- डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए, "UTSAV" (UTS App Vapara) को लॉन्च किया गया, जिसका लक्ष्य यात्रियों के बीच यूटीएस ऐप के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जो टिकटों की डिजिटल बुकिंग की सुविधा देता है।
- लिफ्ट और एस्केलेटर:
- लिफ्ट: 8 लिफ्ट शुरू की गईं खार रोड और मीरा रोड पर 1-1 जबकि भायंदर, वसई रोड और विरार में 2-2
- एस्केलेटर: 7 एस्केलेटर लगाए गए - खार रोड और वसई रोड पर 2-2 जबकि राम मंदिर, कांदिवली, भायंदर में 1-1

दिव्यांगजन सुविधाएं: अतिरिक्त सुविधाओं में वाटर हट, दिव्यांगजन शौचालय, बुकिंग विंडो और विभिन्न स्टेशनों पर स्पर्शनीय टाइलें शामिल हैं।

- दुर्गा पूजा, दिवाली, छठ के त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए पिछले साल 108 ट्रेनों की तुलना में चालू वर्ष में 223 विशेष ट्रेनें चलाई गईं।
- मुंबई सेन्ट्रलमंडल ने त्योहारों के दौरान लाखों यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव सुनिश्चित करवाया। उधना मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना और मान्यता मिली।
- वलसाड और वापी स्टेशनों पर दो नए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोले गए।

कोचिंग और ट्रेन सेवाएं

- वंदे भारत एक्सप्रेस: अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल ट्रेनसेवा 13 मार्च 2024 को शुरू हुई।
- नई सेवाएँ शुरू की गईं: पश्चिमी उपनगरों (बांद्रा टर्मिनस) से कोंकण तक नई ट्रेन शुरू की गई। ट्रेन संख्या 10116/10115 मडगाँव- बांद्रा टर्मिनस द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस पश्चिमी उपनगरों के यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय हो गई है।

माल ढुलाई और कार्गो सेवाएँ

- गति शक्ति कार्गो टर्मिनल: नरनडाणा(जिंदल पावर प्लांट) में एक नया गति शक्ति कार्गो टर्मिनल खोला गया, जिससे रसद व्यवस्था सुचारू हो गई।
- नरडाणामें नया गुड्स शेड खोला गया। इस गुड्स शेड के खुलने से पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में गुड्स शेड की कुल संख्या बढ़कर 14 हो गई है। इससे व्यवसाय विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- माल ढुलाई रिकॉर्ड: 790 वैगनों की अब तक की सबसे अधिक एकल-दिवसीय लोडिंग हासिल की।

सुरक्षा पहल

- आपातकालीन टॉक बैक सिस्टम: 33 से 62 महिला कोच तक विस्तार किया गया, जिससे संकट में फंसे यात्रियों को वास्तविक समय पर सहायता सुनिश्चित हुई।
- लेवल क्रॉसिंग समाप्त:16 लेवल क्रॉसिंग हटा दी गईं और उनकी जगह आरओबी और आरयूबी जैसे सुरक्षित विकल्प बनाए गए।
- यात्री सुरक्षा: मिशन अमानत ने 4.3 करोड़ रुपये मूल्य के खोए हुए सामान की बरामदगी और वापसी में मदद की।
- रेलवे सुरक्षा बल (RPF):
- ''नन्हे फरिश्ते'' के अंतर्गत 319 बच्चों को बचाया गया।
- जीवन रक्षा के अंतर्गत सतर्क आरपीएफ ने 20 लोगों की जान बचाई।
- ''मेरी सहेली'' पहल के माध्यम से यात्रियों के सामान की चोरी के 752 मामलों का पता लगाया और लगभग 54,730 महिला यात्रियों की सहायता की।
- मिशन अमानत के अंतर्गत लगभग 1900 यात्रियों का 4.32 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सामान वापस किया गया।

डिजिटल और चिकित्सा नवाचार

- नमस्ते स्वास्थ्य ऐप: चर्चगेट और विरार के बीच वास्तविक समय की आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए लॉन्च किया गया।
- सीपीआर और एईडी प्रशिक्षण: 22 स्टेशनों पर एईडी स्थापित किए गए, और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए कर्मचारियों को सीपीआर में प्रशिक्षित किया गया।

पर्यावरण और स्थिरता के प्रयास

- ईट राइट स्टेशन: आठ स्टेशनों पर FSSAI-प्रमाणित स्वच्छ खाद्य विकल्प।
- हरित पहल: अपशिष्ट पुनर्चक्रण और ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों सहित पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को लागू किया गया।

मैकेनिकल विभाग की उपलब्धियां

- उधना डिपो में स्वचालित कोच वॉशिंग प्लांट चालू किया गया, जिससे कोच की सफाई और बेहतर हुई।

सिगनल और दूरसंचार उन्नयन

- विरार-सूरत खंड पर KAVACH प्रणाली के कार्यान्वयन के तहत 207 किमी में से 144 किमी का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। शेष कार्य इस वित्तीय वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे इस खंड में सुरक्षा और परिचालन दक्षता में महत्वपूर्ण सुधार होगा।
- इलेक्ट्रॉनिक इंटरल किंग: सूरत, कांदिवली और माहिम स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरल किंग (EI) प्रणाली का कार्यान्वयन किया गया।
- विरार और बोईसर में कोच मार्गदर्शन प्रणाली और ट्रेन संकेतक स्थापित किए गए।
- ABSS कार्य के अंतर्गत चर्नी रोड, प्रभादेवी और मालाड स्टेशनों पर नए उपनगरीय ट्रेन संकेतक प्रदान किए गए हैं।
- बुकिंग कार्यालयों में काउंटर संचार प्रणालियों को उन्नत किया गया।

मुंबई सेंट्रल मंडल यात्री और माल ढुलाई सेवाओं में नए मानक स्थापित करते हुए नवाचार, सुरक्षा और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखा है।

अश्विनी वैष्णव ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में 101 रेलवे अधिकारियों को 69वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार और विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 22 जोन को शील्ड प्रदान किए

केंद्रीय मंत्री ने भारत में रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय अनुभव देने के लिए सुरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण पर तीन गुना अधिक ध्यान देने का आह्वान किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में 101 रेलवे अधिकारियों को 69वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार और विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 22 जोन को शील्ड प्रदान किए। दिल्ली। इस समारोह में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य तथा विभिन्न रेलवे जोन और उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक उपस्थित थे। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने, पुरस्कार और शील्ड प्रदान करने के बाद उपस्थित सम्मानित लोगों को संबोधित करते हुए, सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण कार्य और प्रयास के लिए बधाई दी। उन्होंने पिछले एक दशक में भारतीय रेलवे में हुई परिवर्तनकारी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने निर्माण की तीव्र गति, कश्मीर से कन्याकुमारी रेल लिंक जैसी परियोजनाओं को पूरा करने और पूर्वोत्तर कनेक्टिविटी पहलों का उल्लेख किया। 2025 तक 100% विद्युतीकरण के लक्ष्य के साथ विद्युतीकरण के प्रयासों में तेजी आई है, जबकि वंदे भारत, नमो भारत और माल ढुलाई गलियारों जैसी परियोजनाओं ने गति पकड़ी है। कवच सुरक्षा प्रणाली को बड़े पैमाने पर लागू किया गया है। श्री वैष्णव ने स्टेशन पुनर्विकास में उल्लेखनीय प्रगति, परिणामी दुर्घटनाओं में पर्याप्त कमी (345 से 90 तक) और शिकायतों से मुक्त कुशल भर्ती प्रक्रिया, 1.5 लाख पदों को भरने का उल्लेख किया। उन्होने बताया कि रेलवे में स्वच्छता पहलों की प्रशंसा की गई है, जिसमें विपक्षी नेताओं की प्रशंसा भी शामिल है, और एक नया सुपर ऐप जल्द ही यात्रियों के अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला है। श्री वैष्णव ने बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए सुरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण में प्रयासों को तीन गुना करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने रखरखाव नवाचार पर महत्वपूर्ण ध्यान देने की घोषणा की, जिसमें उद्योग सहयोग, उन्नत निरीक्षण प्रणाली और अधिकारियों और तकनीशियनों के लिए बेहतर प्रशिक्षण शामिल है, जिसमें जमीनी स्तर से फीडबैक शामिल है। सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है, अगले वर्ष जीरो डिरेलमेंट वाली जोन जैसी पहलों को शील्ड और वित्तीय पुरस्कारों से प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने सतत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक, नीति सुधारों और संरचनात्मक परिवर्तनों के एकीकरण पर जोर दिया। "राष्ट्र प्रथम, सदाव प्रथम" के लोकाचार पर विचार करते हुए, मंत्री ने रेलवे को उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में बनाए रखने के लिए अद्वितीय टीमवर्क और अथक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने अगले साल से उत्कृष्ट एसएमक्यूटी (सबसे सुरक्षित, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण) प्रथाओं के माध्यम से रेलवे की कार्य संस्कृति में उत्कृष्टता लाने के लिए शील्ड के साथ वित्तीय पुरस्कारों की भी घोषणा की। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ श्री सतीश कुमार ने अपने स्वागत भाषण में भारत में रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव के साथ-साथ किफायती रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। नई दिल्ली में प्रगति मंडपम में सभा को संबोधित करते हुए, सीआरबी ने कहा कि "गति, आराम और सुरक्षा" के सिद्धांतों में उत्कृष्टता यानी ''गति, आराम और सुरक्षा'' हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को शामिल कर रहे हैं। सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने सतर्कता की संस्कृति विकसित करने के लिए रेलवे अधिकारियों की प्रशंसा की। अमृत भारत स्टेशन जैसी परियोजनाएं, लिफ्ट, एस्केलेटर और दिव्यांगजनों के अनुकूल बुनियादी ढांचे सहित विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ स्टेशनों को बदल रही हैं। श्री कुमार ने रेलवे के भीतर बेजोड़ टीमवर्क को स्वीकार किया और बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में सच्चे नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रेलवे निर्बाध गति, आधुनिकीकरण और भारत के लोगों की सेवा के प्रति समर्पण के माध्यम से उत्कृष्टता और प्रगति का प्रतीक है। भारतीय रेलवे हर साल अपने कर्मचारियों को अति विशिष्ट रेल पुरस्कार प्रदान करता है। ये पुरस्कार दो श्रेणियों में दिए जाते हैं, व्यक्तिगत पुरस्कार और साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रेलवे जोन को शील्ड प्रदान की जाती है। व्यक्तिगत पुरस्कार भारतीय रेलवे को अधिक कुशल, सुरक्षित और यात्री-अनुकूल संगठन बनाने की दिशा में रेलवे कर्मियों के समर्पण, कड़ी मेहनत और असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। भारतीय रेलवे के समग्र प्रदर्शन में रेलवे जोन की उत्कृष्ट उपलब्धियों और योगदान को मान्यता देते हुए विभिन्न श्रेणियों में शील्ड पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

कुंभ मेला के श्रद्धालुओं के लिए रेलवे की सौगातः पूर्व रेलवे 42 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगी, 77,500 से अधिक बर्थ उपलब्ध होंगी।

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ मेला, 12 साल में एक बार होने वाला एक दिव्य आयोजन है, जो दुनिया भर के लाखों श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर सबसे बड़े मानव समागम के रूप में पहचाने जाने वाले महाकुंभ को आस्था, भक्ति और परंपरा का उत्सव माना जाता है। इस भव्य आध्यात्मिक समागम में भाग लेने वाले तीर्थ यात्रियों की भारी भीड़ को समायोजित करने और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, पूर्व रेलवे को कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों की 42 जोड़ी चलाने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो हावड़ा और टूंडला, हावड़ा और भिंड तथा मालदा टाउन और प्रयागराज-रामबाग के बीच चलेंगी। इस पहल से 77,500 से अधिक बर्थ उपलब्ध होंगी, जिससे श्रद्धालुओं को अपनी पवित्र यात्रा पर निकलने के लिए सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा विकल्प मिलेंगे।

03409 मालदा टाउन-प्रयागराज रामबाग कुंभ मेला स्पेशल (11 ट्रिप) दिनांक 02.01.2025 से 22.02.2025 के बीच प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को मालदा टाउन से 20:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन 17:15 बजे प्रयागराज रामबाग पहुंचेगी।

03410 प्रयागराज रामबाग-मालदा टाउन कुंभ मेला स्पेशल (11 ट्रिप) दिनांक 03.01.2025 से 23.02.2025 के बीच प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को प्रयागराज रामबाग से 19:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन 14:30 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के क्षेत्रधिकार में न्यू फरक्का, बरहरवा, साहिबगंज, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर और अभयपुर स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित आवास उपलब्ध होंगे।

03021 हावड़ा-टूंडला कुंभ मेला स्पेशल (16 ट्रिप)

दिनांक 01/01, 02/01, 03/01, 04/01, 05/01, 06/01, 07/01, 08/01, 16/01, 20/01, 24/01/2025, 05/02, 07/02, 14/02, 21/02 और 26/02/2025 को 19:35 बजे हावड़ा से रवाना होगी और अगले दिन 19:20 बजे टूंडला पहुंचेगी।

03022 टूंडला-हावड़ा कुंभ मेला स्पेशल (16 ट्रिप)

दिनांक 03/01, 04/01, 05/01, 06/01, 07/01, 08/01, 09/01, 10/01, 18/01, 22/01, 26/01/2025, 07/02, 09/02, 16/02, 23/02 और 28/02/ 2025 को 11:20 बजे टूंडला से रवाना होगी और अगले दिन 15:20 बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के क्षेत्रधिकार में बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी और वातानुकूलित आवास उपलब्ध होंगे।

03023 हावड़ा-टूंडला कुंभ मेला स्पेशल (07 ट्रिप)

20/01, 22/01, 23/01/2025, 16/02, 17/02, 18/02 और 20/02/2025 को हावड़ा से 00:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 02:30 बजे टूंडला पहुंचेगी।

03024 टूंडला-हावड़ा कुंभ मेला स्पेशल (07 ट्रिप)

दिनांक 21/01, 23/01, 24/01/2025, 17/02, 18/02, 19/02, 21/02/2025 को टूंडला से 11:20 बजे रवाना होगी और अगले दिन 15:20 बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के क्षेत्रधिकार में बैंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित आवास उपलब्ध होंगे।

03025 हावड़ा-टूंडला कुंभ मेला स्पेशल (01 ट्रिप)

दिनांक 28.02.2025 को 05:45 बजे हावड़ा से रवाना होगी और अगले दिन 06:30 बजे टूंडला पहुंचेगी।

03026 टूंडला-हावड़ा कुंभ मेला स्पेशल (01 ट्रिप)

दिनांक 01.03.2025 को 11:20 बजे टूंडला से रवाना होगी और अगले दिन 15:20 बजे हावड़ा पहुंचेगी। ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के क्षेत्रधिकार में बंदेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

03029 हावड़ा-टूंडला कुंभ मेला स्पेशल (03 ट्रिप)

दिनांक 23.01.2025, 06.02.2025 और 20.02.2025 को 19:35 बजे हावड़ा से रवाना होगी और अगले दिन 20:15 बजे टूंडला पहुंचेगी।

03030 टूंडला-हावड़ा कुंभ मेला स्पेशल (03 ट्रिप)

दिनांक 25.01.2025, 08.02.2025 और 22.02.2025 को 03:00 बजे टूंडला से रवाना होगी और अगले दिन 03:30 बजे हावड़ा पहुंचेगी। ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के क्षेत्रधिकार में बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित आवास उपलब्ध होंगे।

03031 हावड़ा-भिंड कुंभ मेला स्पेशल (03 ट्रिप)

दिनांक 01.01.2025, 18.01.2025 और 19.02.2025 को हावड़ा से 00:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 01:05 बजे भिंड पहुंचेगी।

०३०३२ भिंड-हावड़ा कुंभ मेला स्पेशल (०३ ट्रिप)

दिनांक 02.01.2025, 19.01.2025 और 20.02.2025 को भिंड से 03:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 03:30 बजे हावड़ा पहुंचेगी। ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के क्षेत्रधिकार में बैंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

03033 हावड़ा-भिंड कुंभ मेला स्पेशल (01 ट्रिप)

दिनांक 26.01.2025 को 00:30 बजे हावड़ा से रवाना होगी और अगले दिन 01:05 बजे भिंड पहुंचेगी।

03034 भिंड-हावड़ा कुंभ मेला स्पेशल (01 ट्रिप)

दिनांक 27.01.2025 को 03:30 बजे भिंड से रवाना होगी और अगले दिन 03:30 बजे हावड़ा पहुंचेगी। ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में पूर्व रेलवे के क्षेत्रधिकार में बैंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर तथा आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान तथा वातानुकूलित सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

03409 मालदा टाउन , प्रयागराज रामबाग कुंभ मेला स्पेशल, 03021 हावड़ा, टूंडला कुंभ मेला स्पेशल, 03023 हावड़ा, टूंडला कुंभ मेला स्पेशल, 03025 हावड़ा, टूंडला कुंभ मेला स्पेशल, 03029 हावड़ा, टूंडला कुंभ मेला स्पेशल, 03031 हावड़ा, भिंड कुंभ मेला स्पेशल, 03033 हावड़ा, भिंड कुंभ मेला स्पेशल की बुकिंग दिनांक 16.12.2024 को पीआरएस और इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध होगी। कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन शुरू करने से पूर्व रेलवे को अतिरिक्त 77,500 बर्थ मिलेंगी, जिससे कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या से राहत मिलेगी। किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए यात्रा से पहले 139 डायल कर के ट्रेन का समय सुनिश्चित करें।

उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, सुबेदारगंज में पाँच दिवसीय प्रथम राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्निवाल, के आयोजन का द्वितीय दिवस

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 25/12/2024 को उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, सुबेदारगंज में पाँच दिवसीय प्रथम राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्निवाल, के आयोजन के द्वितीय दिवस में प्रातः हरित महाकुम्भ मेला 2025 के तहत रैली का राज्य संगठन आयुक्त/स्काउट् श्री रवि कांत शर्मा, राज्य संगठन आयुक्त/गाइड सुश्री मंजू जोशी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली राज्य प्रशिक्षण केन्द्र से सुबेदारगंज रेलवे कालोनी नं. 02 व रेल गाँव रेलवे कालोनी होते हुये कलरव तक पर्यावरण, प्रदूषण, जागरुकता रैली में नारे लगाते हुये उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मण्डलों प्रयागराज, झांसी एवं आगरा के सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य अतिथि श्री शिवाजी कदम सी.ई.एन.एच.एम. उपाध्यक्ष एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, श्री यू. सी. कुशवाह एक्स.ई.एन./ब्रिज एवं ज्वाईंट स्टेट सेक्रेटरी तथा श्री संतोष वाजपेयी सहा. राज्य आयुक्त एवं कार्य अध्ययन अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में रेल गाँव में पौधारोपण भी किया गया। रैली के दौरान स्काउट-गाइड एवं रोवर रेंजर द्वारा हरित महाकुम्भ मेला 2025 के तहत गंगा प्रदूषण को रोकने हेतु लोगो जागरूक किया। रैली में तीनों मण्डलों के 150 स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर तथा लीडर्स ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

कोटा मंडल में वंदे भारत स्लीपर रैक का 160 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रायल।

सूत्र/पमरे- आरडीएसओ (अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन) लखनऊ टीम परिचालन विभाग के नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेल की टीम द्वारा कोटा मंडल में नई डिजाइन वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर रैक का गति परीक्षण किया जा रहा है। मंडल में आरडीएसओ टीम परिचालन विभाग के सहयोग से 31 दिसंबर से वंदे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल कर रही है। इस वंदे भारत स्लीपर रैक का भारतीय रेल में पहला हाई स्पीड ट्रायल कोटा मंडल में आरडीएसओ टीम द्वारा किया जा रहा है। इस स्लीपर रैक के सफल ट्रायल के पश्चात यात्रियों को देश के विभिन्न रेलमार्गों पर लंबी दूरी के रेल यात्रियों को तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान किया जाएगा। यह ट्रायल वंदे भारत स्लीपर रैक के विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया जा रहा है, जिसमें कपलर फोर्स, एयर सस्पेंशन, ब्रेकिंग सिस्टम, घुमाव ट्रैक पर गति आदि का परीक्षण शामिल है। वंदे भारत स्लीपर रैक का 06 जनवरी को नागदा-कोटा-सवाई माधोपुर रेल खंड पर सूखे एवं गीले ट्रैक की अवस्था में कई बार 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गति परीक्षण किया गया। जिसमें विशेष रूप से आपातकालीन ब्रेकिंग दूरी एवं कपलर फोर्स से संबंधित आंकड़ों को विश्लेषण के लिए संरक्षित किया गया। इस वंदे भारत स्लीपर कोच की रैक में कुल 16 कोच हैं। जिसका ट्रायल पूरे जनवरी माह तक आरडीएसओ टीम के द्वारा किया जाएगा। यह ट्रायल आरडीएसओ के संयुक्त निदेशक (परीक्षण) के निर्देशन में किया गया, जिसमें कोटा मंडल के यातायात निरीक्षक एवं लोको निरीक्षक ने आरडीएसओ लखनऊ टीम के साथ समन्वय किया।

आगरा फोर्ट स्टेशन पर टिकट निरीक्षक विश्राम गृह में खान पान की शुरुआत

सूत्र/रे.स.ब्यू- मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में व मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा श्री बी एस चौहान द्वारा आगरा फोर्ट स्टेशन पर टिकट निरीक्षक विश्राम गृह में फीता काटकर खान पान की शुरुआत कीस आगरा फोर्ट स्टेशन पर ट्रेन में टिकट जांच करते हुए दूसरे रेल मंडलों से आने वाले टिकट चेकिंग स्टाफ की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने आगरा फोर्ट स्टेशन पर अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त टीटीई रेस्ट हाउस का निर्माण करवाया था जिसमें आज से खान पान की सुविधा प्रारंभ हो गई है। टीटीई रेस्ट हाउस में टिकट चेकिंग स्टाफ के विश्राम के लिए 55 बेड व स्नानागार व शौचालय की सुविधा पहले से उपलब्ध है जयपुर ,अजमेर, बांदीकुई, कोटा ,गंगापुर सिटी,कानपुर,प्रयागराज के टीटीई टिकट जांच करते हुए आगरा फोर्ट पहुंचते हैं तथा यहां विश्राम के बाद निर्धारित ट्रेनों में टिकट चेक करते हुए अपने मंडलों को लौट जाते हैं। भविष्य में ट्रेनों के साथ-साथ टिकट चेकिंग स्टाफ की संख्या में वृद्धि की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए टीटीई रेस्ट रूम में खान पान की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं।

रेलवे ने सिविल प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर मथुरा जंक्शन पर बंदर पकड़ो अभियान चलाया गया

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे ने सिविल प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर मथुरा जंक्शन पर बंदर पकड़ो अभियान चलाया गयास काफी समय से स्टेशन पर बंदरों की समस्या से निजात दिलाने के लिए बंदरों के लिए जाल रखा गया था। जाल में कई बंदर फंस गए। जिससे रेलवे स्टेशन पर बंदरों से परेशान यात्रियों को अब राहत मिल जाएगी। नगर निगम की टीम ने उन्हें पकड़ने की कार्रवाई शुरू की और स्टेशन से बंदर पकड़े। इसके बाद बंदरों को पिजड़े में बंद कर ले जाया गया। रेलवे द्वारा सिविल प्रशासन को पत्र लिखने के बाद अभियान चलाया गया। बंदरों से यात्री परेशान की शिकायत को देखते हुए यह कार्यवाही की गई हैं। स्टेशन पर बंदर यात्रियों का सामान छीन ले जाते हैं। यही नहीं रेलवे स्टेशन पर पानी की टोटी तोड़ देते हैं। सुबह से शाम तक फुट ओवरब्रिज, टिकट घर, पूछताछ केंद्र आदि पर इनकी फौज खड़ी रहती है। रेलवे अधिकारियों ने इसकी शिकायत नगर निगम अधिकारियों से की जिससे यह कार्रवाई की गई। निगम की टीम रविवार को स्टेशन पर पहुंची और बंदर पकड़ने का अभियान शुरू किया गया।

पलामू, झारखंड दौरे के तीसरे दिन केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ एल. मुरुगन ने जिले के मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन और पास ही में स्थित भीम चूल्हा के पास निर्माणाधीन रेलवे टनल कार्य का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू-माननीय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण (राज्य) मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार डॉ एल. मुरुगन ने अपने तीन दिवसीय झारखंड यात्रा के आखिरी दिन दिनांक 25 दिसंबर 2024 को जिले में स्थित मोहम्मदगंज में नवनिर्मित रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं की जानकारी ली। उनसे मिलने बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे, जिनको उन्होंने सुना और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए वहाँ मौजूद अधिकारी गण को निर्देशित किया। पास ही में स्थित भीम चूल्हा पर्यटन स्थल के पास बन रहे रेलवे टनल का भी मंत्री महोदय ने दौरा किया और बारीकी से निरीक्षण किया और मौजूद रेल अधिकारियों से प्रोजेक्ट के पूरा होने की समय सीमा और अन्य पहलुओं की जानकारी ली। माननीय मंत्री ने पलामू में उनसे मिलने आए गणमान्य नागरिको, समाज सेवी जनों से भी मुलाकात किया और उनकी समस्याएं सुनी। तदोपरांत उन्होंने अपने दौरे के आखिरी दिन जिले के आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्र का दौरा किया और मौजूद अधिकारियों और कर्मियों से भी मिले। मंत्री महोदय के कर कमलों से दूरदर्शन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ, साथ ही उन्होंने डाल्टनगंज आकाशवाणी स्टेशन का दौरा किया और मौजूद संसाधनों और हो रही दिक्कतों का जायजा लिया। आकाशवान डाल्टन-गंज स्टेशन से उन्होंने स्थानीय दर्शकों को अपना संदेश भी दिया और कहा कि पलामू की धरती पे आकर उन्हें बहुत ही हर्ष हुआ।

बरेका कर्मचारियों के लिए बड़ी सुविधा -अब इमरजेंसी कोटा बॉक्स बरेका प्रशासन भवन में उपलब्ध।

सूत्र/रे.स.ब्यू- बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा शुरू की गई है। दिनांक 26 दिसंबर 2024 को उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे के लिए इमरजेंसी कोटा (EQ) यात्रा आवेदन बॉक्स बरेका प्रशासन भवन में स्थापित कर दिया गया है। इस नई पहल के अंतर्गत अब बरेका के कर्मचारियों को ऑन ड्यूटी या निजी कार्यों से यात्रा हेतु इमरजेंसी कोटा के लिए वाराणसी कैंट स्टेशन या मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, लहरतारा जाने की आवश्यकता नहीं होगी। बरेका प्रशासन प्रतिदिन इमरजेंसी कोटा आवेदन भेजेगा, जिससे कर्मचारियों को सुविधा और समय की बचत होगी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से:

● संयुक्त सचिव, कर्मचारी परिषद श्री कांत यादव

● सदस्य, कर्मचारी परिषद श्री अमित कुमार यादव, श्री संतोष कुमार यादव, श्री मनीष कुमार सिंह, श्री संजय कुमार एवं अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी गण उपस्थिति रहे। कर्मचारियों ने बरेका प्रशासन और कर्मचारी परिषद का आभार व्यक्त किया, जिनके प्रयासों से यह सुविधा संभव हो पाई है। यह पहल कर्मचारियों के हित में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे न केवल कार्यों में सरलता आएगी बल्कि कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ेगा।

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
SCAN QR
www.railsamacharbureauald.com

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ?
इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि.
इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड
इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502
पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,
कीडगंज प्रयागराज-211003
से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो का देहरादून में उद्‌घाटन हुआ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- 10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस (डब्ल्यूएसी 2024) और आरोग्य एक्सपो का उद्‌घाटन 15 दिसंबर, 2024 को देहरादून में केन्द्रीय आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और विज्ञान भारती के अध्यक्ष डॉ. शेखर मांडे की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। केन्द्रीय आयुष राज्यमंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य पर चर्चा करने के लिए हजारों प्रतिभाएं यहां एकत्र हुई हैं। यह 10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस का एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जहां विचारधाराओं, संस्कृतियों और नवाचारों की विभिन्न धाराएं एकत्रित हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 29 अक्टूबर 2024 को 9वें आयुर्वेद दिवस पर दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में ''देश का प्रेंति परीक्षण अभियान'' शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद सिद्धांतों के आधार पर एक करोड़ से अधिक व्यक्तियों की प्रेंति का मूल्यांकन करना है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुष ग्रिड के साथ तकनीकी रूप से सक्षम समाधान उपलब्ध हैं, जो स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक भागीदारों से 1.3 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश पाइपलाइन में है। यह द्विवार्षिक कार्यक्रम विश्व आयुर्वेद फाउंडेशन (डब्ल्यूएएफ) द्वारा आयोजित किया जाता है, जो विज्ञान भारती की एक पहल है। इस ऐतिहासिक आयोजन में 5500 से अधिक भारतीय और 54 देशों से 350 से अधिक प्रतिनिधि पंजीकृत हैं। कार्यक्रम में 150 से अधिक वैज्ञानिक सत्र और १३ सहयोगी कार्यक्रम होंगे। डब्ल्यूएसी 2024 का केन्द्रीय विषय ''डिजिटल स्वास्थ्य: आयुर्वेद का एक परिप्रेक्ष्य'' है, जो आयुर्वेद को आगे बढ़ाने में आधुनिक प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर जोर देगा। यह आयोजन स्वास्थ्य सेवाओं, अनुसंधान, और आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य परिदृश्य में एकीकृत करने पर गहन चर्चा करेगा। यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय की सक्रिय भागीदारी और भारत की आयुर्वेद को वैश्विक मंच पर बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। 10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस न केवल आयुर्वेद की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाएगी, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं में इसके भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करेगी।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज ने आईसीडी-11 टीएम2 के कार्यान्वयन और भारत में आयुर्वेद की डब्ल्यूएचओ अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली को अपनाने के लिए तकनीकी जानकारी जुटाने पर कार्यशाला आयोजित की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज (एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने 13 और 14 दिसंबर 2024 को उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित 10वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के दौरान दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण, पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल-2, आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और सोवा रिग्पा शब्दावली को अद्यतन करने और सोवा रिग्पा शब्दावली के विकास के लिए स्कोपिंग समीक्षा के कार्यान्वयन के लिए आवश्यकताओं को एकत्रित करना था। कार्यशाला में आयुष मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और सोवा रिग्पा चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ, तथा अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप निम्नलिखित मुख्य बिंदु सामने आए:

1 भारत में रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आईसीडी-11 टीएम2) के कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण के लिए रोडमैप तैयार करना।

2 आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी चिकित्सा पद्धतियों पर आधारित पारंपरिक चिकित्सा के लिए ''स्वास्थ्य उपायों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आईसीएचआई)'' की रणनीति का विकास।

3 सोवा रिग्पा शब्दावली के विकास के लिए साहित्य के आकार और दायरे का प्रारंभिक आकलन और स्कोपिंग रिव्यू पेपर तैयार करना।

इसके अलावा, एक महत्वपूर्ण सिफारिश की गई कि प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को ''आयुष मेडिकल कोडिंग और रिक र्ड्स डे'' के रूप में मनाया जाए। इस सिफारिश को आयुष मंत्रालय द्वारा स्वीकार किया गया और सीसीआरएएस इस प्रक्रिया को शुरू करेगा। उद्‌घाटन सत्र में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर प्रो. भूषण पटवर्धन, और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। तकनीकी सत्र का संचालन डॉ. टी. साकेत राम द्वारा किया गया, जिसमें भारत भर से वरिष्ठ विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से योगदान दिया। इस कार्यशाला ने पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों के मानकीकरण और वैश्विक एकीकरण को बढ़ावा देने में डब्ल्यूएचओ, सीसीआरएएस, एनआईआईएमएच और आयुष मंत्रालय के सहयोग को मजबूत किया। इस पहल ने साक्ष्य-आधारित पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए भारत और डब्ल्यूएचओ के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय आयुष मिशन पर फिल्म श्रृंखला शुरू की: परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित किया गया है।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने 24 दिसंबर, 2024 को ''सभी के लिए आयुषः राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य सेवा'' नामक एक फिल्म श्रृंखला का शुभारंभ किया, जिसमें राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की उल्लेखनीय प्रगति और परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित किया गया है। इस श्रृंखला का अनावरण केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने किया। यह श्रृंखला मंत्रालय के प्रयासों के अनुरूप है, जो देश के हर नागरिक, विशेषकर दूरदराज इलाकों में रहने वालों तक समान, किफायती और समग्र स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका उद्देश्य आयुष स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के माध्यम से निवारक देखभाल को बढ़ावा देना और आयुष प्रणालियों को मुख्यधारा के सार्वजनिक स्वास्थ्य में एकीकृत करना है। इस योजना ने 167 एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना, 416 आयुष अस्पतालों और 5036 औषधालयों का उन्नयन किया है। सह-स्थल पहलों के माध्यम से 2322 पीएचसी, 715 सीएचसी और 314 डीएच को लाभ हुआ है। एनएएम ने 16 नए आयुष शैक्षणिक संस्थानों को समर्थन और 112 अन्य को उन्नत किया है। इसके अलावा, 3883 योग कल्याण केंद्र, 1055 आयुष ग्राम और 12,500 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) स्थापित किए गए हैं। मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने एनएएम की सफलता पर प्रकाश डाला और कहा कि यह मिशन पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर आधारित सुलभ और लागत प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर समुदायों को सशक्त बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म श्रृंखला हमारे प्रयासों को जनता तक पहुँचाने का एक कदम है, जो आयुष की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करती है। आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री कविता गर्ग ने बताया कि यह श्रृंखला आयुष मंत्रालय के आधिकारिक यूट्यूब चौनल पर उपलब्ध होगी, जिससे सभी नागरिकों के लिए इसे देखना सुविधाजनक होगा।

कोट्टायम में राष्ट्रीय होम्योपैथी मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच) का स्वर्ण जयंती समारोहः 'मानसिक स्वास्थ्य में होम्योपैथी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन'

सूत्र/रे.स.ब्यू- राष्ट्रीय होम्योपैथी मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच), कोट्टायम द्वारा 23-24 दिसंबर 2024 को 'मानसिक स्वास्थ्य में होम्योपैथी' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) के अंतर्गत हुआ, और संस्थान के 'स्वर्ण जयंती समारोह' के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ 23 दिसंबर 2024 को आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव के वीडियो संदेश के माध्यम से हुआ। उन्होंने स्वर्ण जयंती समारोह पर संस्थान को बधाई दी और मानसिक स्वास्थ्य में होम्योपैथी के योगदान की सराहना की। सम्मेलन की मुख्य थीम थी 'मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में होम्योपैथी की भूमिका को अनुकूलित करना'। इस दौरान विभिन्न विषयों पर मंथन सत्र, पैनल चर्चा और व्याख्यान आयोजित किए गए, ताकि होम्योपैथी की सुरक्षित और न्यूनतम दुष्प्रभाव वाली चिकित्सा प्रणाली का लाभ मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप रणनीतियों के साथ उठाया जा सके। सीसीआरएच के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने स्वागत भाषण दिया और संस्थान की उपलब्धियों, शोध कार्यों, रोगी देखभाल और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का उल्लेख किया। केरल के मावेलीक्करा से सांसद श्री कोडिकुन्निल सुरेश और राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अध्यक्ष डॉ. अनिल खुराना ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। श्री सुरेश ने सरकार के योगदान और संस्थान के विकास के लिए 400 करोड़ रुपये के नए ब्ल क निर्माण की घोषणा की। सम्मेलन में मानसिक स्वास्थ्य पर कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 'माइंड और होम्योपैथीः एक अटूट बंधन', 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर में सिंगल मेडिसिन दृष्टिकोण', और 'मनोरोग पेशेंट के प्रबंधन में होम्योपैथी में चुनौतियों का अवलोकन' जैसे विषयों पर चर्चा की गई। 'मानसिक स्वास्थ्य में एकीकृत दृष्टिकोण के लिए रोडमैप' पर पैनल चर्चा में प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। सम्मेलन में होम्योपैथिक शोधकर्ता, चिकित्सक, छात्र, और उद्योगपति शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान केस रिपोर्ट और निबंध प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। इस सम्मेलन ने होम्योपैथी और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और देखभाल में भविष्य की कार्ययोजना के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान ने सामूहिक वर्मम थेरेपी के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस) ने एक साथ 567 व्यक्तियों को वर्मम थेरेपी प्रदान कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। यह कार्यक्रम चेन्नई के तांबरम स्थित एनआईएस परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें सिद्ध चिकित्सा की चीर-फाड़ रहित और दवा-मुक्त उपचार पद्धतियों की बढ़ती मान्यता पर प्रकाश डाला गया। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने एक लिखित संदेश में एनआईएस के इस ऐतिहासिक प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में 567 प्रशिक्षित वर्मानियों (वर्मन चिकित्सकों) ने एक साथ 567 व्यक्तियों को चिकित्सा प्रदान की, जिससे सिद्ध चिकित्सा की प्रभावशीलता और पहुंच को प्रमाणित किया गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इस आयोजन को मान्यता दी, जो पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने एनआईएस टीम को बधाई दी और कहा, ''इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें सिद्ध चिकित्सा के वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझने में मदद करना है। सिद्ध चिकित्सा पद्धति विश्वभर में महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित कर रही है, और हम इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान की निदेशक प्रो. डॉ. आर. मीनाकुमारी ने बताया कि ''सिद्ध वर्मम थेरेपी एक अनोखी, बिना चीर-फाड़, गैर-औषधीय उपचार पद्धति है, जो जटिल न्यूरोल जिकल बीमारियों, हड्डी और मांसपेशियों के रोगों, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम और बच्चों में सेरेब्रल पल्सी के इलाज में उपयोगी है।'' गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कार्यक्रम सिद्ध चिकित्सा और वर्मम थेरेपी के वैश्विक प्रचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह कार्यक्रम सिद्ध चिकित्सा के उपचार की बढ़ती वैश्विक मान्यता को दर्शाता है और भारत तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके प्रसार की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाता है।

इरकॉन IRCON INTERNATIONAL LIMITED ircon

(Navratna Company)

An Integrated Engineering and Construction Company

With 401 projects in India and 128 projects across the globe in 25 countries, IRCON has proved its credentials in the field of infrastructure development.

IRCON INTERNATIONAL LIMITED (IRCON), a Navratna Central Public Sector Undertaking incorporatedby the Government of India (Ministry of Railways) in 1976, is the leading turnkey construction company known for its quality, commitment and consistency in terms of performance. The Company's expertise and professional approach to work not only widened its horizons of work, but also propelled it to traverse the physical boundaries of the country. IRCON is actively participating in the infrastructure building efforts of several Asian and African countries. In the year 2023-24, the Company has registered total income of ₹12,388 Crore.

- Ranked in Top 250 International Contractors by Engineering News Record (USA). Also ranked amongst the Top 500 Indian Companies in Fortune India Magazine.
- Healthy profitability margins & comfortable liquidity position with its CARE Credit Rating of AAA/A1+ for long & short-term non-fund based borrowings. Continuously profit making company since its inception.
- Conferred with several awards in the year 2023-24, including CE&CR Annual award for "Outstanding Tunnel Structure" for the project "Udhampur-Srinagar-Baramulla New BG Rail line, Governance Now 10th PSU Award - CSR Commitment, Governance Now 10th PSU Award - Nation Building, Dun & Bradstreet award – ESG Champions of India 2024 in the Engineering & Construction services sector, Excellence in Civil Engineering, Testing and Commissioning of Rail Projects by Rail Analysis India, Top Challenger 2022-23 award by Construction World, Safety Innovation Award 2023 for implementing Innovative Safety Management Systemsand several others.

Core Competence Areas

- Railways
- Tunnels
- Bridges & Flyovers
- Highways & Expressways
- OHESub-stations
- Electrical and Mechanical
- Signaling & Telecom
- Development of Industrial areas
- Commercial, Institutional & Residential properties
- Metro Rail
- Runways
- Aircraft Hangars
- Wet Leasing of Locomotives

IRCON INTERNATIONAL LIMITED

(A Government of India Undertaking under Ministry of Railways)
Regd. Office: C-4, District Centre, Saket, New Delhi – 110017
Phone: +91 11 29565666 Fax: +91 - 11- 26522000/26854000
www.ircon.org